नई दिल्ली ■ सोमवार 15 दिसंबर 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 257 ■ पृष्ठ 08

JBT www.thejbt.com

जनभावना टाइम्स

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 लौहपुरुष सरदार पटेल और एकीकृत भारत की नींव | 07 जायसवाल के शतक से मुंबई ने हरियाणा को हराया | एक्टर अर्जुन रामपाल ने गर्लफ्रेंड से की सगाई 08

दिल्ली में एक्यूआई 461 के पार, एनसीआर में ग्रेप-4 इमरजेंसी पाबंदियां लागू

नई दिल्ली। ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रेप) स्टेज 4 के तहत सख्त प्रदूषण नियमों के लागू होने के बाद, रविवार को दिल्ली भर में इमरजेंसी पाबंदियां लगा दी गईं क्योंकि शहर की हवा की क्वालिटी लगातार खराब हो रही थी। रविवार को राजधानी का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 461 दर्ज किया गया, जो हवा की 'बेहद खराब' श्रेणी में आता है। केंद्र सरकार के एंटी-पॉल्यूशन पैनल, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने शनिवार दोपहर को दिल्ली और आसपास के इलाकों के लिए पहले ग्रेप-3 के तहत पाबंदियां लगाईं और हवा की क्वालिटी में तेजी से गिरावट देखने के बाद उसी शाम उन्हें ग्रेप 4 तक बढ़ा दिया। इस फैसले के तुरंत बाद, शनिवार को शाम करीब 4 बजे दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 431 था और शाम 6 बजे तक यह बढ़कर 441 हो गया, जिसके बाद ग्रेप फ्रेमवर्क के तहत सबसे सख्त पाबंदियों की घोषणा की गई। सीएक्यूएम ने एक बयान में कहा, "हवा की क्वालिटी के मौजूदा ट्रेंड को देखते हुए और क्षेत्र में हवा की गुणवत्ता को और खराब होने से रोकने के प्रयास में, ग्रेप पर सीएक्यूएम सब-कमेटी ने मौजूदा ग्रेप के स्टेज-IV, वायु गुणवत्ता सूचकांक 450 के तहत परिकल्पित सभी कार्यों को तत्काल प्रभाव से पूरे एनसीआर में लागू करने का फैसला किया है।

यह एनसीआर में पहले से लागू मौजूदा ग्रेप के स्टेज 1, 2 और 3 के तहत की गई कार्रवाई के अतिरिक्त है।" इस फैसले के बाद, दिल्ली सरकार ने सभी सरकारी और निजी स्कूलों को क्लास 10 को छोड़कर क्लास 11 तक की क्लास हाइब्रिड मोड में, यानी फिजिकल और ऑनलाइन टीचिंग को मिलाकर, चलाने का निर्देश दिया। इसके अलावा, सरकारी और निजी ऑफिसों में 50 प्रतिशत स्टाफ को घर से काम करने के लिए कहा गया है। आदेश में कहा गया है, "बाकी स्टाफ अनिवार्य रूप से घर से काम करेगा," साथ ही सभी निजी संस्थानों से जहां भी संभव हो, अलग-अलग वर्किंग घंटे लागू करने का आग्रह किया गया है। निजी ऑफिसों को आगे निर्देश दिया गया है कि वे वर्क-फ्रॉम-होम नियमों का सख्ती से पालन करें और ऑफिस आने-जाने से संबंधित वाहनों की आवाजाही को कम से कम करें। हालांकि, कुछ जरूरी सेवाओं को इन निर्देशों से छूट दी गई है। आदेश में कहा गया है, "अस्पताल और अन्य सार्वजनिक/ निजी स्वास्थ्य संस्थान, अग्निशमन सेवाएं, जेल, सार्वजनिक परिवहन, बिजली, पानी, स्वच्छता और संबंधित नगरपालिका सेवाएं, आपदा प्रबंधन और संबंधित सेवाएं, वायु प्रदूषण नियंत्रण, निगरानी और प्रवर्तन गतिविधियों में लगे वन और पर्यावरण विभाग/एजेंसियां और अन्य आवश्यक आपातकालीन सेवाओं को इन निर्देशों से छूट दी जाएगी।"

दिल्ली समेत देश के विभिन्न राज्यों में सर्दी बढ़ने और घने कोहरे की चेतावनी

नई दिल्ली। दिल्ली समेत देश के विभिन्न राज्यों में रविवार को घना कोहरा छाया रहा। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में सर्दी बढ़ने और घने कोहरे की चेतावनी दी। मौसम विभाग के मुताबिक, तेलंगाना और कर्नाटक में 15- 16 दिसंबर को कुछ स्थानों पर शीतलहर जारी रहने का अनुमान है। उत्तर प्रदेश में 15-16 दिसंबर, उत्तर-पूर्वी भारत में 15-19 दिसंबर, हिमाचल प्रदेश 15-17 दिसंबर और पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ तथा उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश में 15-16 दिसंबर सुबह के समय घने कोहरे के आसार हैं। मौसम विभाग के अधिकारियों ने जम्मू-कश्मीर, लद्दाख में 14-15 दिसंबर को हल्की बारिश और बर्फबारी की चेतावनी दी है। 17 दिसंबर की रात से एक और कमजोर विक्षोभ आने के कारण 18- 19 दिसंबर को भी हल्की बारिश और बर्फबारी की चेतावनी दी गई है।

हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 14-18 दिसंबर को गरज के साथ 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज सर्द हवा चलने के आसार हैं। दिल्ली-एनसीआर में अगले कुछ दिनों में ठंडक बढ़ने और सुबह के समय कोहरा देखने को मिलेगा। 14-17 दिसंबर तक उत्तर भारत में घना कोहरा, दक्षिण में शीतलहर जारी रहने के आसार हैं। आज सुबह उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में अत्यधिक घना कोहरा छाया रहा, जिससे दृश्यता 50 मीटर से भी कम हो गई। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के शहर आगरा और पूर्वी उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में सबसे कम दृश्यता 00 मीटर तक दर्ज की गई। पिछले 24 घंटों में देश का सबसे ठंडा स्थान मैदानी इलाका राजगढ़ (पश्चिमी मध्य प्रदेश) और अंबिकापुर (छत्तीसगढ़) रहा, जहां न्यूनतम तापमान 5.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना सहित अन्य राज्यों में पिछले 24 घंटे के दौरान न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सिडनी के बॉन्डी बीच पर यहूदी समुदाय के उत्सव में गोलीबारी

12 लोगों की मौत

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी स्थित बॉन्डी बीच पर रविवार को ऑटोमैटिक राइफलों से लैस दो बंदूकधारियों ने कम से कम 12 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। दोनों बंदूकधारियों में से एक को पुलिस ने मार गिराया, जबकि दूसरे को जख्मी हालत में गिरफ्तार कर लिया गया है। यह वारदात उस समय हुई, जब बीच पर यहूदी समुदाय के करीब 1,000 लोग हनुक्का का उत्सव मना रहे थे। इस घटना को लेकर ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, इटली, इजराइल और ब्रिटेन के राष्ट्राध्यक्षों के साथ संयुक्त राष्ट्र के महासचिव तथा यूरोपीय यूनियन की अध्यक्ष ने गहरा दुख जताया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हथियारों से लैस दो हमलावरों ने भीड़ पर अचानक अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी, जिससे मौके पर चीख-पुकार और अफरातफरी मच गई।

हनुक्का पर्व मना रहे थे यहूदी समुदाय के लोग-हमलावरों में एक मारा गया, दूसरा गिरफ्तार

अंधाधुंध गोलीबारी में कम-से-कम 12 लोगों के मौत हो गई और दो दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए।

पुलिस कमिश्नर मैल लैन्योन ने आधिकारिक तौर पर इसे ₹आतंकवादी घटना₹ बताया और कहा कि घटनास्थल पर 1,000 से ज्यादा लोग थे, जिनमें से कई यहूदी उत्सव हनुक्का मना रहे थे। गोलीबारी की इस घटना में एक बच्चा सहित 29 घायल लोगों को अस्पताल ले जाया गया है। इनमें दो पुलिस अधिकारी भी हैं, जिनकी हालत गंभीर है। लैन्योन ने कहा कि दो हमलावरों में से एक की मौत हो गई है और दूसरा हमलावर गंभीर रूप से घायल होने के कारण अस्पताल में भर्ती है। इस बात की भी जांच की जा रही है कि उन दो हमलावरों के साथ कोई तीसरा बंदूकधारी भी था या नहीं। उन्होंने बताया कि मृत हमलावर से जुड़ी कार में एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) मिला है। घटनास्थल पर बम डिस्पोजल यूनिट को तैनात किया गया है।

वहीं, न्यू साउथ वेल्स के प्रीमियर क्रिस मिन्स ने कहा कि उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़ से बात की है, जिन्होंने राज्य को पूरा समर्थन देने की पेशकश की है। उन्होंने लोगों से शांति एवं एकता बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि घटना की पूरी जांच होगी। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने हमले को यहूदियों के खिलाफ एक कायराना हरकत करार दिया। उन्होंने कहा कि यह यहूदी विरोधी और आतंकवादी कृत्य है जिसने हमारे देश के दिल पर हमला किया है। हिंसा और नफरत की इस घटिया हरकत के लिए कोई जगह नहीं है। इजराइल ने कहा कि हम यहूदी त्योहार हनुक्का के दौरान सिडनी के बॉन्डी बीच पर हुए भयानक हमले की कड़ी निंदा करते हैं और जिन लोगों ने अपनी जान गंवाई, उनके परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने घटना पर गहरा दुख जताते हुए कहा कि बोंडी बीच पर हुए भयानक हमले से प्रभावित सभी लोगों के प्रति हमारी संवेदनाएं हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने पीड़ितों, घायलों और उनके प्रियजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि हम ऑस्ट्रेलियाई लोगों के दर्द में उनके साथ हैं।

हम ऑस्ट्रेलिया के लोगों के साथ हैं: मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फायरिंग की इस घटना की निंदा की है। प्रधानमंत्री ने X पर कहा, "ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच पर आज हुए भयावह आतंकवादी हमले की मैं कड़ी निंदा करता हूं, जिसमें यहूदी त्योहार हनुक्का के पहले दिन का जश्न मना रहे लोगों को निशाना बनाया गया। भारत की जनता की ओर से मैं उन परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। दुख की इस घड़ी में हम ऑस्ट्रेलिया के लोगों के साथ एकजुटता से खड़े हैं।"

बिहार के मंत्री नितिन नबीन भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त

बिहार सरकार में हैं मंत्री

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को बिहार सरकार में कैबिनेट मंत्री नितिन नबीन को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया। भविष्य में वह जे. पी. नड्डा का स्थान लेते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकते हैं। इसे सत्तारूढ़ दल में पीढ़ीगत बदलाव का संकेत माना जा रहा है। पार्टी नेताओं के अनुसार, नितिन नबीन (45) दिवंगत नबीन किशोर प्रसाद सिन्हा—जो भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक थे—के पुत्र हैं। उन्हें एक गतिशील, वैचारिक रूप से दृढ़ और संगठन के प्रति गहराई से समर्पित नेता माना जाता है। पांच बार विधायक रहे नितिन नबीन बिहार के बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। वह इससे पहले भी बिहार सरकार में मंत्री रहे हैं।

भाजपा नेताओं ने कहा कि बिहार में मंत्री के रूप में नबीन का कार्यकाल और छत्तीसगढ़ के पार्टी प्रभारी के रूप में उनकी भूमिका वास्तव में उत्कृष्ट रही है और उनके प्रभावी संगठनात्मक नेतृत्व को दर्शाता है। भाजपा के संसदीय बोर्ड ने नबीन को इस पद के लिए चुना है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने एक बयान में कहा, ₹भाजपा के संसदीय बोर्ड ने बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन को तत्काल प्रभाव से भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है।₹ कायस्थ समुदाय से संबंध रखने वाले नबीन के मौजूदा भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के उत्तराधिकारी बनने की संभावना है और पार्टी नेताओं के अनुसार, वह इस पद पर आसीन होने वाले सबसे युवा नेताओं में से एक हैं। नड्डा (65) को जनवरी 2020 में भाजपा अध्यक्ष नियुक्त किया गया था और वह अपना पूरा कार्यकाल पूरा कर चुके हैं।

पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली। बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस नयी जिम्मेदारी के लिए नितिन नबीन को बधाई दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को अपने एक्स अकाउंट पर बधाई संदेश में लिखा, नितिन नबीन जी ने एक कर्मठ कार्यकर्ता के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। वे एक युवा और परिश्रमी नेता हैं, जिनके पास संगठन का अच्छा-खासा अनुभव है। बिहार में विधायक और मंत्री के रूप में उनका कार्य बहुत प्रभावी रहा है, साथ ही जनआकांक्षाओं को पूरा करने के लिए उन्होंने पूरे समर्पण भाव से काम किया है। वे अपने विनम्र स्वभाव के साथ जमीन पर काम करने के लिए जाने जाते हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि उनकी ऊर्जा और प्रतिबद्धता आने वाले समय में हमारी पार्टी को और अधिक सशक्त बनाएगी। भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर उन्हें हार्दिक बधाई।

संक्षिप्त खबरें

नौसेना जल्द दूसरे एमएच-60आर हेलीकॉप्टर स्क्वाड्रन को सेवा में शामिल करेगी

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना 17 दिसंबर को अपने दूसरे एमएच-60आर हेलीकॉप्टर स्क्वाड्रन - आईएनएएस 335 (ओस्प्रे) - को सेवा में शामिल करेगी, जिससे उसकी विमानन क्षमताओं को मजबूती मिलेगी। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उन्नत हथियार और सेंसर इस हेलीकॉप्टर को नौसेना के लिए एक बहुउपयोगी बनाते हैं। नौसेना के प्रवक्ता ने कहा कि गोवा स्थित आईएनएस हंसा पर 17 दिसंबर को आयोजित कार्यक्रम में दूसरे एमएच-60आर हेलीकॉप्टर स्क्वाड्रन - आईएनएएस 335 (ओस्प्र) - को नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी की उपस्थिति में औपचारिक रूप से सेवा में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह अवसर नौसेना के आधुनिकीकरण और क्षमता वृद्धि के निरंतर प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगा।

इसरो अगले साल मार्च तक गगनयान सहित सात अभियान प्रक्षेपित करेगा

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अगले साल मार्च तक सात प्रक्षेपण अभियानों की योजना बनाई है, जिनमें उपग्रह और क्वांटम-की वितरण प्रौद्योगिकियों के लिए स्वदेशी रूप से निर्मित इलेक्ट्रिक प्रणोदन प्रणालियों का प्रदर्शन आंकने वाला मिशन और गगनयान परियोजना से जुड़ा पहला मानवरहित अभियान शामिल है। इन सात प्रक्षेपणों में से पहला प्रक्षेपण अगले हफ्ते होने की संभावना है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने हाल ही में संसद को बताया कि भारत का सबसे भारी रॉकेट 'एलवीएम3' इसरो की न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड और अमेरिकी कंपनी एएसटी स्पेसमोबाइल के बीच हुए एक वाणिज्यिक करार के तहत 'ब्लूबर्ड-6' संचार उपग्रह को अंतरिक्ष की कक्षा में स्थापित करेगा। 'ह्यूमन रेटेड' एलवीएम3 साल 2026 की शुरुआत में एक बार फिर उड़ान भरेगा, जिसके जरिये भारत के मानवयुक्त अंतरिक्ष अभियान 'गगनयान' का पहला मानवरहित यान 'व्योममित्र' नाम के एक रोबोट को लेकर अंतरिक्ष की कक्षा में दाखिल होगा। 'ह्यूमन रेटेड' एक प्रमाणन प्रणाली है, जो दर्शाती है कि कोई अंतरिक्ष यान या प्रक्षेपण वाहन मनुष्यों को अंतरिक्ष में सुरक्षित रूप से ले जाने में सक्षम है।

हमारी संस्कृति विश्व का समाधान है : राष्ट्रपति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कहा कि हमारी संस्कृति में निहित प्रकृति के साथ तालमेल बिठाना ही 'पर्यावरण के लिए जीवनशैली' का वैश्विक आधार है। मुर्मू ने यह बात आज राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर कही। इस मौके पर, उन्होंने नई दिल्ली में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार 2025 और राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि ऊर्जा बचाना सिर्फ कम इस्तेमाल करना नहीं है, बल्कि बुद्धिमानी, ज़िम्मेदारी और कुशलता से इस्तेमाल करना है।

सौर जैसे नवीकरणीय ऊर्जा विकल्पों को अपनाना है। इससे हम न सिर्फ ऊर्जा बचाते हैं, बल्कि कार्बन उत्सर्जन भी कम करते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि ऊर्जा की बचत को लेकर युवाओं और बच्चों को जागरूक करना है। इससे ऊर्जा संरक्षण के लक्ष्य को पाने के साथ- साथ देश का सतत विकास सुनिश्चित कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि 'सूर्य घर योजना' और 'हरित हाइड्रोजन मिशन' जैसी सरकारी पहलें जीवाश्म ईंधनों पर हमारी निर्भरता कम करने में मदद कर रही हैं। 2023-24 में सरकार ने इतनी ऊर्जा बचाई है, जो 5.36 करोड़ टन तेल के बराबर है। इससे देश का पैसा बचा और प्रदूषण भी घटा।

भारत ने पाकिस्तान को 90 रन से हराया

दुबई। भारत ने ऑलराउंडर कनिष्क चौहान और तेज गेंदबाज दीपेश देवेंद्रन की अगुवाई में अनुशासित गेंदबाजी की बदौलत रविवार को यहां अंडर-19 एशिया कप के ग्रुप ए मैच में पाकिस्तान को 90 रन से करारी शिकस्त दी। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 46.1 ओवर में 240 रन का स्कोर खड़ा किया जिसमें आरोन जॉर्ज ने 85 रन बनाए। उनके अलावा कप्तान आयुष म्हात्रे (38) और चौहान (46) ने भी उपयोगी योगदान दिया। इसके बाद 241 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम शुरुआती झटकों से नहीं उबर पाई और 41.2 ओवर में 150 रन पर ऑल आउट हो गई। भारत ने तेज शुरुआत की जिसमें कप्तान म्हात्रे ने 25 गेंद की अपनी पारी में चार चौके और तीन छक्के लगाए।

मेस्सी कार्यक्रम अराजकता

मुख्य आयोजक को 14 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कोलकाता की एक अदालत ने अर्जेंटीना के महान फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी के कार्यक्रम के दौरान मची अफरा-तफरी के सिलसिले में इसके मुख्य आयोजक सताद्रु दत्ता को 14 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में शनिवार को आयोजित लियोनेल मेस्सी के फुटबॉल कार्यक्रम के मुख्य आयोजक सतद्रु दत्ता को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आयोजन स्थल पर मची व्यापक अफरा-तफरी के बाद यह कार्रवाई की गई, जिसके कारण अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता कप्तान लियोनेल मेस्सी को मैदान छोड़कर समय से पहले ही लौटना पड़ा।

बिधाननगर पुलिस ने स्टेडियम में मची अफरातफरी का स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्यक्रम के ₹कुप्रबंधन₹ के आरोप में दत्ता को कोलकाता हवाई अड्डे से ही गिरफ्तार कर लिया जहां वह मेस्सी और उनके साथ शामिल अन्य को हैदराबाद जाते समय विदा करने गए थे। अधिकारी ने बताया कि दत्ता की ओर से पेश हुए वकील ने अदालत को बताया कि उनके मुवक्किल को फंसाया जा रहा है। दत्ता के वकील ने कहा, " हमें उम्मीद है कि अगले 14 दिनों में पुलिस जांच से स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।" दत्ता को जब अदालत ले जाया गया तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थकों ने अदालत के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। मेस्सी के कार्यक्रम के दौरान शनिवार को यहां साल्ट लेक स्टेडियम में मची अफरा-तफरी कानून-व्यवस्था के बड़े मसले में तब्दील हो गई।

पंकज चौधरी बने यूपी भाजपा के नए अध्यक्ष

लखनऊ में पार्टी के केंद्रीय चुनाव अधिकारी पीयूष गोयल ने की निर्वाचित होने की घोषणा

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के नए अध्यक्ष के रूप में पंकज चौधरी की ताजपोशी हो गई। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को लखनऊ में आयोजित एक समारोह में प्रदेश अध्यक्ष के रूप में पंकज चौधरी के निर्वाचित होने की घोषणा की। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पद के चुनाव में एकमात्र नामांकन होने के बाद आज प्रदेश चुनाव अधिकारी ने पंकज चौधरी को निर्वाचित कर दिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, संगठन के केंद्रीय चुनाव अधिकारी के लक्ष्मण, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, प्रदेश के चुनाव अधिकारी डॉ महेंद्र नाथ पांडेय, अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी सहित कई केंद्रीय व राज्य के दिग्गज नेताओं के अलावा वरिष्ठ मंत्री, प्रदेशभर से आए हजारों पदाधिकारी उपस्थित रहे।

लखनऊ के डॉ राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में आज एक समारोह में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भाजपा विश्व की सबसे बडी पार्टी है और इसके व्यवस्थित कामकाज से दुनिया हैरान है। यहां भाजपा के सदस्य बनाने से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने तक की प्रक्रिया होती हैं और सभी कार्य सर्वसम्मति से होते हैं। उन्होंने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर सभी पुराने-नए नेताओं को पार्टी को आगे बढ़ाने का श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि मुझे सर्वसम्मति से पंकज चौधरी को भाजपा उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष के रूप में घोषित करते हुए बहुत प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों के नामों की भी घोषणा की। इन सदस्यों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या, ब्रजेश पाठक, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रमापति राम त्रिपाठी, निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी के नाम मुख्य रूप से शामिल हैं।

भाजपा का नया प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद बोले योगी-सरकार और संगठन मिलकर काम करेंगे

मुख्यमंत्री ने चौधरी को निर्विरोध प्रदेश भाजपा अध्यक्ष घोषित किये जाने के बाद समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि एक अनुभवी कार्यकर्ता को पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष का दायित्व मिलने के साथ ही प्रदेश में अब नई गति के साथ सरकार और संगठन मिलकर प्रधानमंत्री की मंशा के अनुरूप कार्य को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा, "आज प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के साथ संगठन पर्व का यह दायित्व उत्तर प्रदेश के अंदर अपनी पूर्णाहुति की ओर अग्रसर हो चुका है लेकिन नए दायित्व के कार्य हम सबके सामने नई चुनौती के साथ खड़े हैं।

मेरे लिये संगठन और पार्टी कार्यकर्ता सर्वोपरि हैं : पंकज चौधरी

भाजपा की उत्तर प्रदेश इकाई के नवनिर्वाचित अध्यक्ष पंकज चौधरी ने रविवार को कहा कि उनकी नजर में संगठन और पार्टी कार्यकर्ता 'सर्वोपरि' हैं और नेतृत्व के अपने मूल मंत्र 'संगठन, संपर्क, संवाद और समन्वय' के आधार पर वह पार्टी को मजबूत बनाने के लिये काम करेंगे। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने राजधानी में आयोजित एक समारोह में उन्हें पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष घोषित किये जाने के बाद कहा कि वह सात बार महराजगंज से सांसद और कई बार केंद्रीय मंत्री रह चुके हैं लेकिन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के रूप में उन्हें अब तक की सबसे बड़ी जिम्मेदारी मिली है। उन्होंने कहा, "मेरी नई जिम्मेदारी अब तक मिली तमाम जिम्मेदारियों से अधिक गंभीर और चुनौतीपूर्ण है, लेकिन मुझे विश्वास है कि गौरवशाली कार्यकर्ताओं का स्नेह और समर्पण इस महान दायित्व के निर्वहन में मेरी मदद करेगा।

धुंध की चादर में लिपटा औद्योगिक नगर नोएडा

एक्सप्रेसवे समेत प्रमुख मार्गों पर रेंगते नजर आए वाहन, दृश्यता रही काफी कम

नोएडा। औद्योगिक नगरी नोएडा में रविवार की सुबह घने कोहरे के साथ हुई। आज तड़के से ही सड़कों पर सफेद कोहरे की चादर छाई रही, जिससे जन- जीवन प्रभावित हुआ। सुबह 10 बजे तक प्रमुख मार्गों पर चालक वाहनों की लाइट जलाकर धीमी गति से चलने को मजबूर रहे। मैदानी और खुले इलाकों में दृश्यता 15 से 20 मीटर दर्ज की गई। कई स्थानों पर हादसे की आशंका बनी रही। यहां के विभिन्न टोल पर ट्रैफिक पुलिस के जवानों ने वाहन चालकों को रोककर उन्हें संयमित और सुरक्षित वाहन चलाने के लिए प्रेरित किया। कोहरे के साथ-साथ यहां पर वायु प्रदूषण की स्थिति काफी खराब है।

जिसकी वजह से धुंध और बढ़ती जा रही है। घने कोहरे के चलते नोएडा एक्सप्रेसवे, ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे, यमुना एक्सप्रेसवे, नेशनल हाईवे 91, नेशनल हाईवे 24 सहित विभिन्न हाईवे पर वाहन चालको को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। कोहरे की वजह से कई जगह वाहन चालकों को सामने से आ रहे वाहनों का अंदाजा उस समय लगा जब वे काफी करीब पहुंच गए थे। उन्हे अचानक जोर से ब्रेक

लगाना पड़ा। मौसम विभाग के अधिकारियों के अनुसार रविवार को न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं आद्रता का स्तर 61 प्रतिशत रहा। घने कोहरे के चलते प्रशासन ने सोमवार यानी कल से यहां के विभिन्न हाईवे पर वाहनों की गति सीमा घटा दी है। 15 दिसंबर की रात 12 बजे से यमुना एक्सप्रेसवे पर वाहनों की गति सीमा 100 किलोमीटर से घटाकर 75 किलोमीटर प्रति घंटा कर दी गई है। वहीं भारी वाहनों के लिए गति सीमा 60 किमी प्रति घंटा की गई है। यह आदेश 15 फरवरी तक लागू रहेगा। इसके अलावा नोएडा एक्सप्रेसवे पर हल्के वाहनों की गति सीमा 75 किमी जबकि भारी वाहनों की गति सीमा 50 किमी प्रति घंटे तय की गई है। एलिवेटेड रोड पर हल्के वाहनों की गति सीमा 50 तथा भारी वाहनों की गति सीमा 40 किलोमीटर प्रति घंटा तय की गई है। पुलिस उपायुक्त (यातायात) डॉक्टर प्रवीन रंजन सिंह ने बताया कि सभी एक्सप्रेसवे और सड़कों पर गति सीमा की सूचना के बोर्ड लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एनसीआर में ग्रेप- चार लागू हो गया है। इसकी वजह से आज से दिल्ली में प्रवेश करने वाले बीएस-3 और बीएस-4 डीजल वाहनों के साथ कुछ श्रेणी के भारी मालक वाहनों की एंट्री प्रतिबंधित हो गई है। इसके लिए यहां के चिल्ला, डीएनडी, कालिंदी कुंज, अशोक नगर सहित विभिन्न बॉर्डर पर ट्रैफिक पुलिस के जवान तैनात कर, इस तरह के वाहनों को वापस लौटाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि कुछ वाहन चालक जो दूर के प्रांत से दिल्ली के लिए निकले थे, वे इस बात से काफी परेशान हो रहे हैं। उन्हें अपने गंतव्य तक पहुंचने में काफी परेशानी हो रही है। उन्हें समझा कर वापस भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया कि घने कोहरे के चलते आज से भारी वाहनों के लिए विशेष अभियान चलाकर रिफ्लेक्टिव टेप लगवाया जा रहा है।

बिरौंडी के किसानों को आबादी भूखंड देने की प्रक्रिया शुरू

▸▸ विभाग ने सूचना जारी कर आपत्ति और सुझाव मांगे गांव के सौ से अधिक किसानों को लाभ मिलेगा

ग्रेटर नोएडा। जमीन अधिग्रहण से प्रभावित ग्रेटर नोएडा के बिरौंडी चक्रसैनपुर गांव के किसानों को आबादी भूखंड देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्राधिकरण के सीईओ से सैद्धांतिक स्वीकृति मिलने के बाद नियोजन विभाग ने इसकी सूचना जारी कर आपत्ति और सुझाव मांगा है। सौ से अधिक किसानों को लाभ मिलेगा। प्राधिकरण के अधिकारी के मुताबिक पात्र पाए गए किसानों को नए साल में भूखंड आवंटित कर दिए जाएंगे। इसके लिए जगह चिन्हित कर ली गई है।

भूखंड ड्रा के माध्यम से दिए जाएंगे। इसके अलावा क्षेत्र के कासना, डाढ़ा, सिरसा, इटेड़ा, बिसरख, पतवाड़ी, पाली और रिठौरी आदि गांवों के किसानों को भी इस समय 6/10 फीसदी भूखंड देने की प्रक्रिया चल रही है। सीईओ रवि कुमार एनजी का कहना है कि जमीन अधिग्रहण से प्रभावित किसानों को आबादी भूखंड आवंटित किए जाने का काम प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। प्रयास है कि सभी पात्र किसानों को अगले कुछ महीनों में भूखंड आवंटित कर दिए जाएं। शासन के दिशा- निर्देश पर किसानों से जुड़ी अन्य समस्याओं का भी निस्तारण किया जा रहा है। गांवों के विकास पर भी जोर है। चार हजार से अधिक किसानों की पात्रता तय- प्राधिकरण ने आबादी भूखंड देने के लिए क्षेत्र के 60 गांवों में लगभग 4100 किसानों की पात्रता तय कर ली है। इनकी सूची का प्रकाशन किया जा चुका है। उम्मीद है कि नए वर्ष में सभी किसानों को भूखंड आवंटित कर दिए जाएंगे।

इसके लिए जमीन की तलाश की जा रही है। वहीं पूर्व में जिन किसानों की पात्रता तय की गई थी,उन्हें भूखंड दिए जा रहे हैं। बता दें कि जमीन अधिग्रहण से प्रभावित क्षेत्र के किसानों की पात्रता तय करने का काम पिछले लगभग चार वर्षों से बंद पड़ा था। शासन के दिशा-निर्देश पर अब इसमें तेजी आ गई है।

हेल्पलाइन नंबर के बारे में लोगों को बताया

नोएडा। मिशन शक्ति अभियान-5.0 के अंतर्गत कमिश्नरेट गौतमबुद्ध नगर के थाना क्षेत्रों में रविवार को महिला सशक्तिकरण और महिला सुरक्षा जागरुकता से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में महिला सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। मिशन शक्ति टीम ने महिलाकर्मियों को थानों पर गठित मिशन शक्ति केंद्र के उद्देश्य, कार्य प्रणाली और महिला सुरक्षा से संबंधित उपलब्ध सुविधाओं के बारे में भी जानकारी दी। इस दौरान महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबर की भी जानकारी दी गई, ताकि वह मुश्किल वक्त में आसानी से वे इसका सहारा ले सकें।

फोनरवा 2026-28 चुनाव में योगेंद्र शर्मा और केके जैन की टीम निर्विरोध विजयी

नोएडा। फैडरेशन ऑफ नोएडा रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (फोनरवा) 2026-28 के चुनाव परिणाम की घोषणा रविवार को सेक्टर-52 में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान चुनाव अधिकारी कर्नल (रि.) शशि वेद ने की। उन्होंने बताया कि फोनरवा के चुनाव में योगेंद्र शर्मा एवं केके जैन पैनल के सभी उम्मीदवारों को निर्विरोध विजय घोषित हुए है। यह पहला अवसर रहा जब चुनावी प्रक्रिया के तहत पूरी 21 सदस्यों की टीम निर्विरोध चुना गया है। अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा एवं महासचिव केके जैन लगातार चौथी बार इस पद पर निर्वाचित हुए हैं।

कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए महासचिव केके जैन ने बताया कि फोनरवा के 25 वर्ष के इतिहास में पहली बार चुनावी प्रक्रिया के तहत 21 सदस्यों की पूरी टीम निर्विरोध चुनी गई है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा के नेतृत्व में गत दो वर्षों के कार्यकाल

के दौरान टीम द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्यों का परिणाम है। इसी कारण विपक्ष का कोई भी सदस्य हार के भय से चुनाव लड़ने का साहस नहीं जुटा सका। उन्होंने बताया कि यह सफलता अनुभवी टीम, आरडब्ल्यूए सदस्यों के निरंतर समर्थन, नोएडा प्राधिकरण, जिला प्रशासन, नोएडा पुलिस, यूपीसीएल एवं अन्य संबंधित विभागों से मिले सकारात्मक सहयोग के कारण संभव हुई है। उन्होंने बताया कि

दो साल के कार्यकाल में कार्यकारणी कि कई मुख्य उपलब्धियां रही। जैसे आरडब्ल्यूए एवं निवासियों की समस्याओं के समाधान के लिए सीईओ, एसीईओ व वरिष्ठ अधिकारियों के साथ लगातार बैठकें आयोजित की गईं।

इस अवसर पर अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा ने कहा कि हमारी टीम आरडब्ल्यूए एवं नागरिक समस्याओं को हल करने, सामुदायिक कल्याण को बढ़ावा देने और नोएडा के सभी निवासियों के लिए बेहतर जीवन स्तर सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हमें विश्वास है कि नई टीम अपने सभी उद्देश्यों को सफलतापूर्वक पूरा करेगी।

सोसायटी की लोहे की ग्रिल और बेंच चुराने वाले 5 शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

नोएडा। सोसायटी व घरों के बाहर लगी लोहे की ग्रिल को गैस कटर से काटकर एवं लोहे की बेंचों की चोरी करने वाले एक गैंग का थाना सेक्टर-58 पुलिस ने आज पर्दाफाश करते हुए 5 शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से चोरी की गई 22 ग्रिल व 6 बेंच लोहा (करीब 15 क्विंटल) बरामद किया है। पूछताछ के दौरान अभियुक्तों ने चोरी की कई वारदातों का खुलासा किया है।

एडीसीपी नोएडा शैव्या गोयल ने बताया कि थाना सेक्टर-58 पुलिस ने सोसायटी व घरों के बाहर लगी लोहे की ग्रिल को गैस कटर से काटकर एवं लोहे की बेंचों की चोरी करने वाले गैंग का पर्दाफाश करते हुए कबाड़ी सहित 5 अभियुक्त मौहम्मद फारूक पुत्र मोहम्मद शरीफ, फिरोज पुत्र जहीर, बशीर पुत्र शेख मोबेर अली, राजा ठाकुर पुत्र आको ठाकुर को सेक्टर-60 रोड ग्रीन बेल्ट के पास से व चारों अभियुक्तों की निशादेही पर अभियुक्त जुम्मन खान पुत्र अलाउद्दीन को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि मानसरोवर अपार्टमेंट सेक्टर-61

में रहने वाले एक शख्स ने थाना सेक्टर-58 पर अभियोग पंजीकृत कराते हुए कहा था कि अज्ञात चोरों द्वारा सोसायटी के बाहर बनी फेंसिंग हटाकर लोहे की ग्रिलें को गैस कटर से काटकर एवं लोहे की बेंचो को चोरी कर लिया गया। उन्होंने बताया कि इस मामले में तत्काल पुलिस टीमों का गठन किया गया था। इस मामले की जांच-पड़ताल कर रही थाना सेक्टर-58 पुलिस ने आज एक गोपनीय सूचना व इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की सहायता से सोसायटी व घरों के बाहर लगी लोहे की ग्रिल को गैस कटर से काटकर एवं लोहे की बेंचों की चोरी करने वाले गैंग का पर्दाफाश कर अभियुक्तों के कब्जे व निशानदेही से चोरी की गई 22 ग्रिल व 6 बेंच लोहा (करीब 15 क्विंटल) को ग्राम गिझोड़ सेक्टर-53 में खाली पड़ी जगह से बरामद किया गया है।

एडीसीपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि उन्होंने बीते 10 दिसंबर 2025 की रात को मानसरोवर सेक्टर-61 नोएडा के बाहर से लोहे की ग्रिल और लोहे की बेंचें चोरी की थीं। अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि उनके पास दो ठेले हैं, जिनका उपयोग चोरी किया गया सामान सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए किया जाता है। वे मौका पाकर सड़क किनारे और सार्वजनिक स्थानों पर लगे लोहे के सामान, ग्रिल, बेंच और पाइप चुराते हैं। चोरी किए गए पाइप और लोहे के अन्य हिस्सों को वे अपने साथी जुम्मन खान को देते हैं, जो कबाड़ी का कार्य करता है जो इन्हें कटर से काटकर स्क्रैप के रूप में बेच देता है। अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि विभिन्न स्थानों की चोरी के पैसों से हमनें दो ठेले खरीदें थे। पूछताछ के दौरान ज्ञात हुआ कि अभियुक्तों द्वारा एक संगठित गिरोह के रूप में कार्य किया जाता था व चोरी किए गए सामनों को कबाड़ी के माध्यम से बेचकर अवैध धन अर्जित किया जाता था।

पुलिस ने तमंचे के साथ बदमाश को किया गिरफ्तार

नोएडा। चोरी की वारदात में फिराक में घूम रहे बदमाश को सेक्टर-20 थाने की पुलिस ने रविवार को बिजली घर के सामने स्थित पार्क से गिरफ्तार कर लिया। बदमाश की पहचान बुलंदशहर के डिबाई निवासी आकाश उर्फ कालू के रूप में रूप में हुई है। उसके पास से एक तमंचा और कारतूस बरामद हुआ है। 28 वर्षीय आकाश के खिलाफ बुलंदशहर और नोएडा के अलग-अलग थानों में तीन केस दर्ज होने की जानकारी मिली है। वह पूर्व में भी जेल जा चुका है। पुलिस आकाश के अन्य साथियों के बारे में भी जानकारी जुटा रही है। आरोपी के पास तमंचा कहां से आया, इसका भी पता लगाया जा रहा है।

संगठन की मजबूती के लिए चलाए जा रहे अभियानों की समीक्षा की

नोएडा। सेक्टर-12 स्थित एक अस्पताल से दवा लेकर लौट रही महिला से शनिवार शाम तीन तोला वजनी सोने की चेन लेकर बदमाश भाग गए। एक महिला और दो पुरुषों ने वारदात को अंजाम दिया। महिला के पुत्र ने सेक्टर-24 थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

सेक्टर-22 स्थित चौड़ा गांव निवासी सलाउद्दीन ने पुलिस को बताया कि शनिवार शाम उनकी मां सेक्टर-12 स्थित नामी अस्पताल में दवा लेने गई हुई थीं। पीड़िता दवा लेकर घर जा रही थीं, इसी दौरान उन्हें सेक्टर-22 स्थित बरात घर वाली गली में दो व्यक्ति और एक महिला मिले। टप्पेबाजों ने उन्हें बहाने से एक तरफ ले जाकर बातों में उलझाने के बाद पीड़िता के गले से सोने की चेन उतरवा लिया। मौके देखकर टप्पेबाज फरार हो गए। महिला घर जाकर घटना की जानकारी दी। मामले में पीड़िता के बेटे ने सेक्टर-24 थाने में केस दर्ज कराया है। पुलिस घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे की मदद से टप्पेबाजों की तलाश शुरू कर दी है।

नोएडा में दो दिनों से हवा दमघोंटू बनी, सांस के छह मरीज आईसीयू में भर्ती

नोएडा। वायु प्रदूषण बढ़ने से सांसों का संकट बढ़ गया है। लगातार दूसरे दिन रविवार को नोएडा गैस चैंबर बना रहा। शहर का एक्यूआई 466 दर्ज किया गया। साथ ही नोएडा देश का सबसे वायु प्रदूषित शहर भी रहा। दूसरी ओर, जिला अस्पताल में सांस की बीमारी बढ़ने पर छह मरीजों को आईसीयू में भर्ती करना पड़ा। नोएडा की हवा दो दिनों से हवा दमघोंटू बनी हुई है। एक दिन पहले नोएडा का एक्यूआई 455 था। रविवार को एक्यूआई में 11 अंकों की बढ़ोतरी हुई।

पिछले चार सालों में शहर का एक्यूआई सबसे अधिक दर्ज किया गया। इससे पहले 12 नवंबर 2021 को यहां का एक्यूआई 488 रहा था। ग्रेटर नोएडा की हवा भी गंभीर श्रेणी में रही। एक्यूआई 435 दर्ज किया गया, जो एक दिन पहले के मुकाबले 7 अंक कम है। सुबह से दृश्यता 200-300 मीटर रही। दोपहर में भी वायु प्रदूषण कम नहीं हुआ। वायु प्रदूषण के कारण खिली धूप भी नहीं निकली। शाम होते ही वायु प्रदूषण बढ़ा।

हवा की गति कम होने और कोहरे के साथ प्रदूषित धूलकण मिलने से वायु प्रदूषित कण आसमान में ज्यादा दूर तक नहीं जा सके। सोमवार को हवा की गति 10 किलोमीटर प्रतिघंटे रहने की संभावना है, जिससे वायु प्रदूषण में थोड़ी कमी आ सकती है। जिला अस्पताल में शनिवार और रविवार को छह मरीजों को सांस लेने में दिक्कत होने के बाद आईसीयू में भर्ती कराना पड़ा। सांस रोग से पीड़ित इन मरीजों की उम्र 40 से 60 साल के बीच है। इनमें से दो मरीज को वेंटिलेटर सपोर्ट पर भी रखना पड़ा।

वहीं आपातकालीन विभाग में पिछले दो दिनों में सांस की बीमारियों से पीड़ित 16 मरीज इलाज के लिए आए। शहर के चार बड़े निजी अस्पतालों में 25 से अधिक सांस रोगियों को आईसीयू में भर्ती कराया गया। जिला अस्पताल आईसीयू वार्ड के प्रभारी डॉ. असद ने बताया कि सभी मरीज गंभीर स्थिति में अस्पताल लाए गए थे। इन सांस रोगियों की परेशानी बढ़ने के बाद लाया यहां लाया गया था। अब सभी की हालत पहले से बेहतर है।

नोएडा और ग्रेटर नोएडा के 5 दिनों का एक्यूआई

दिसंबर, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, 14, 466, 435, 13, 455, 442, 12, 386, 373, 11, 322, 301, 10, 256, 224, रात 10 से 12 बजे सबसे अधिक प्रदूषण रात के 10 से 12 बजे के बीच नोएडा और ग्रेटर नोएडा में सबसे अधिक वायु प्रदूषण दर्ज किया गया।

ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क फाइव में शनिवार रात 10 से 12 बजे के बीच में पीएम 10 का स्तर 950 तक पहुंच गया। वहीं पीएम 2.5 का स्तर 522 रहा। नोएडा के सेक्टर-116 में एक बजे रात को पीएम 10 का स्तर 837 तक पहुंच गया। पीएम 2.5 का स्तर 640 रहा। सेक्टर एक में भी पीएम 10 का अधिकतम स्तर 722 रहा।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने दो करोड़ का जुर्माना ठोका : प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने ग्रेप चार की पाबंदियों का उल्लंघन पर चार दो सेक्टरों के चार स्थानों पर दो करोड़ एक लाख का जुर्माना किया। सेक्टर-132 में ओरियन वन और ट्रियून ल्यूमिया ग्लोबल सोल्यूशन कंपनी पर एक-एक करोड़ का जुर्माना किया। वहीं सेक्टर-127 में वैशाली फाइनांशियल सर्विसेज और सेक्टर-132 में नोएडा इंफो सर्विसेज 50 हजार-50 हजार का जुर्माना ठोका। इन स्थानों पर निर्माण कार्य चल रहा था। भवन सामग्री खुले में थे।

राजधानी में जहरीली हवा के बीच छाया घना कोहरा

आनंद विहार में वायु गुणवत्ता सूचकांक 491 के पार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) का बड़ा हिस्सा सुबह कोहरा और धुआं (स्मॉग) की मोटी परत में लिपटा हुआ है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली के आनंद विहार सुबह वायु गुणवत्ता सूचकांक 491 दर्ज किया गया। यह गंभीर' श्रेणी है। यही हाल आईटीओ का रहा। यहां वायु गुणवत्ता सूचकांक 484 रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली और उससे सटे शहर नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद, गुरुग्राम और सोनीपत का वायु गुणवत्ता सूचकांक गंभीर श्रेणी में है।

इसके मद्देनजर दिल्ली-एनसीआर में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) का चौथा चरण लागू कर दिया गया है। दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय ने सभी स्कूलों को नौवीं और 11वीं तक की क्लास हाइब्रिड मोड में चलाने का निर्देश दिया है। सरकार ने इस चरण के सभी प्रतिबंधों को लागू करते हुए सभी से इसका पालन करने का आग्रह किया है। इधर साल का आखिरी महीना दिसंबर आधा पूरा होने को है। सर्दी ने पूरे उत्तर भारत के साथ देश के कई हिस्सों में अपना असर तेज कर दिया है। हरियाणा, पंजाब और चंडीगढ़ में तेज ठंडी हवा ने लोगों को कंपकंपा दिया है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी, शीत लहर और घने कोहरे ने ठंड की धार और तीखी कर दी है। यह पहली बार है कि विदर्भ, उत्तर महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और ओडिशा जैसे क्षेत्रों में भी शीतलहर का अलर्ट जारी किया गया है।

अब ग्रेप का चौथा चरण लागू

दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते एयर पॉल्यूशन से निपटने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने सुबह ग्रेप तीन लगाने की घोषणा की तो शाम को ग्रेप चार लगाना पड़ गया। एनसीआर में अब ग्रेप के चारों चरणों की पाबंदियां लागू हैं। इसके तहत अब राजधानी में बीएस-6, सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों को ही एंट्री मिल सकेगी।

चांदनी चौक में AQI 480-490 के पार

दरअसल, ये गुणवत्ता सूचकांक 'गंभीर+' श्रेणी में है जबकि कई इलाकों जैसे आनंद विहार, बवाना और चांदनी चौक में AQI 480-490 के पार दर्ज किया गया। वहीं दिल्ली के आनंद विहार इलाके के आस-पास रविवार सुबह जहरीली धुंध छाई रही। इलाके के आस-पास AQI 491 रहा, जिसे 'गंभीर' कैटेगरी में रखा गया है।

दिल्ली मेट्रो की बड़ी उपलब्धिः ईस्ट विनोद नगर मेट्रो स्टेशन को मिला 'बेस्ट परफॉर्मिंग यूनिट अवॉर्ड'

नई दिल्ली। राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) को बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। पिंक लाइन पर स्थित ईस्ट विनोद नगर मेट्रो स्टेशन को वर्ष 2025 के राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार के तहत मेट्रो स्टेशन श्रेणी में 'बेस्ट परफॉर्मिंग यूनिट अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार राष्ट्रपति भवन की ओर से विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रदान किया। डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक डॉ. विकास कुमार ने यह सम्मान ग्रहण किया। यह पुरस्कार ऊर्जा दक्षता के क्षेत्र में ईस्ट विनोद नगर मेट्रो स्टेशन के सराहनीय प्रयासों के लिए दिया गया है। डीएमआरसी से मिली जानकारी के अनुसार बिजली मंत्रालय के अधीन ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी (बीईई) ने देशभर के विभिन्न मेट्रो रेल नेटवर्क से प्राप्त आवेदनों का व्यापक मूल्यांकन करने के बाद ईस्ट विनोद नगर मेट्रो स्टेशन का चयन किया। बीते तीन वित्तीय वर्षों में स्टेशन ने बिजली की कुल खपत और एनर्जी परफॉर्मेंस इंडेक्स में लगातार और उल्लेखनीय कमी दर्ज की है।

सौर ऊर्जा से पूरी हो रही 49 प्रतिशत जरूरत

डीएमआरसी की तरफ से बताया गया है कि ऊर्जा संरक्षण के तहत स्टेशन पर 405 पारंपरिक ट्यूबलाइट फिटिंग को एलईडी लाइट्स से बदला गया है। इसके अलावा स्टेशन पर 150 किलोवाट पीक क्षमता का रूफटॉप सोलर प्लांट लगाया गया है, जिससे स्टेशन की कुल ऊर्जा जरूरत का करीब 49 प्रतिशत हिस्सा सौर ऊर्जा से पूरा किया जा रहा है। इससे ग्रिड से ली जाने वाली बिजली पर निर्भरता में बड़ी कमी आई है। इसके अलावा ईस्ट विनोद नगर मेट्रो स्टेशन को भारतीय उद्योग परिसंघ के तहत इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल की ओर से 'प्लेटिनम' रेटिंग भी मिल चुकी है। यह स्टेशन की पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। डीएमआरसी की तरफ से कहा गया है कि यह सम्मान ऊर्जा खपत घटाने, सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने और पर्यावरण के अनुकूल शहरी परिवहन को प्रोत्साहित करने की दिशा में उसके निरंतर प्रयासों की पहचान है।

प्रदूषण को लेकर दिल्ली सरकार सख्त, खुले में कूड़ा जलाने पर 5,000 रुपए तक का जुर्माना

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली दिल्ली की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने बढ़ते प्रदूषण को ध्यान में रखते हुए रविवार को सख्त कदम उठाए हैं। सीएम रेखा गुप्ता ने खुले में कूड़ा जलाने पर 5,000 रुपए तक जुर्माना लगाने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण पर किसी तरह की कोताही नहीं बरतने की बात कही। उन्होंने इसमें लोगों की सहभागिता का अनुरोध भी किया। उन्होंने साफ किया कि नियमों के उल्लंघन करने पर जुर्माने का प्रावधान भी है। उन्होंने लिखा, "प्रदूषण नियंत्रण में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं होगी। खुले में कूड़ा जलाने पर 5,000 रुपए तक का जुर्माना लगाया जाएगा।" उन्होंने आगे लिखा, "सभी दिल्लीवासियों से विनम्र अपील है कि प्रदूषण के विरुद्ध इस प्रयास में सरकार का सहयोग करें, नियमों का पालन करें और स्वच्छ व स्वस्थ दिल्ली के निर्माण में अपनी सहभागिता निभाएं।" सीएम रेखा गुप्ता ने 48 सेकेंड का एक वीडियो भी शेयर किया। इसमें बताया गया है कि नियमों के उल्लंघन करने पर मौके पर ही कार्रवाई होगी। वीडियो में बताया गया, "दिल्ली सरकार ने प्रदूषण के खिलाफ सख्त अभियान शुरू कर दिया है। हर नागरिक की सेहत सरकार की पहली जिम्मेदारी है। अब खुले में कूड़ा, पत्ते या प्लास्टिक जलाने पर सीधे 5,000 रुपए जुर्माना लगेगा। एमसीडी और जिला प्रशासन मौके पर ही कार्रवाई करेंगे।" वीडियो में बताया गया है कि होटल और रेस्टोरेंट में कोयला और लकड़ी के तंदूर पूरी तरह 100 प्रतिशत बंद होंगे। यह पूरी तरह से प्रतिबंधित है। सिर्फ गैस और बिजली आधारित तंदूर ही चलेंगे। नियमों के उल्लंघन पर जुर्माना और उपकरण जब्त होंगे। दिल्ली में सड़कों पर निर्माण सामग्री का खुला भंडारण भी अब नहीं चलेगा। दिल्ली सरकार का निर्देश साफ है कि 'कोई ढिलाई नहीं, कोई समझौता नहीं।' दिल्ली साथ होगी, तभी दिल्ली साफ होगी।

हाईटेक तरीके से कार चोरी करने वाला अंतरराज्यीय गिरोह पकड़ा, 3 कारें बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एंटी-रॉबरी एंड स्नैचिंग सेल ने हाईटेक तरीके से कार चोरी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस संबंध में पुलिस ने गिरोह के सरगना समेत तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर तीन चोरी की कारें बरामद की हैं। पुलिस ने आरोपितों के पास से इलेक्ट्रॉनिक की-क्लोनिंग टैबलेट, डुप्लीकेट चाबियां और मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त संजीव यादव ने रविवार को बताया कि हाल के दिनों में वाहन चोरी की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए पुलिस की एक विशेष टीम सक्रिय की गई थी। इसी दौरान हेड कांस्टेबल अमित को एक सूचना मिली कि एक अंतरराज्यीय गिरोह दिल्ली से कारें चोरी कर उन्हें दिल्ली-एनसीआर से बाहर अन्य राज्यों में खपाता है। सूचना के आधार पर तकनीकी निगरानी और मुखबिर तंत्र के जरिए आरोपितों पर नजर रखी गई।

पुलिस उपायुक्त के अनुसार 6 दिसंबर को पुलिस टीम ने हापुड़ (उप्र) निवासी सोनू और सोनीपत (हरियाणा) निवासी संदीप को दबोच लिया। इनके कब्जे से मंगोलपुरी थाना क्षेत्र से चोरी की गई एक मारुति स्विफ्ट कार बरामद की गई। पूछताछ के दौरान संदीप की निशानदेही पर सोनीपत के सेक्टर-23 से एक और चोरी की मारुति स्विफ्ट कार बरामद हुई, जो बवाना थाना क्षेत्र से चोरी की गई थी। जांच के दौरान गिरोह के तीसरे सदस्य आशीष उर्फ दीपू, निवासी इटावा (उप्र) को भी दबोचा गया। उसकी निशानदेही पर साकेत थाना क्षेत्र से चोरी की गई एक मारुति ब्रेजा कार, टाटा और मारुति सुजुकी वाहनों की डुप्लीकेट चाबियां और एक इलेक्ट्रॉनिक टैबलेट बरामद की गई। पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपित अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक टैबलेट की मदद से कार के डैशबोर्ड में लगे ओबीडी पोर्ट से कनेक्ट होकर नई चाबी प्रोग्राम करते थे। इस तरीके से वे कुछ ही मिनटों में कार स्टार्ट कर चोरी कर लेते थे। चोरी के बाद वाहन को कुछ दिन दिल्ली-एनसीआर में खड़ा किया जाता था और फिर दूर-दराज के राज्यों में बेच दिया जाता था। पुलिस के मुताबिक, गिरोह का सरगना सोनू पहले भी वाहन चोरी के 17 मामलों में शामिल रहा है। वहीं संदीप पर हरियाणा और उप्र में हत्या और गैंगस्टर एक्ट समेत आठ मामले दर्ज हैं। जबकि आशीष उर्फ दीपू के खिलाफ उप्र में वाहन चोरी के 13 मामले दर्ज हैं।

कांग्रेस की दिल्ली रैली में महिला शक्ति का प्रदर्शन

नई दिल्ली। दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित कांग्रेस की रैली में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पहुंचे, जहां खासतौर पर महिला नेताओं और कार्यकर्ताओं का उत्साह देखने को मिला। देश के विभिन्न राज्यों से आई महिला कांग्रेस नेताओं ने रैली में हिस्सा लेते हुए भाजपा और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। राजस्थान महिला कांग्रेस अध्यक्ष सागरिका सिंह ने कहा कि यह रैली राजनीति नहीं, बल्कि संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए है और सरकार पर चुनाव आयोग के साथ मिलकर "वोट चोरी" करने के आरोप लगाए। मध्य प्रदेश कांग्रेस की उपाध्यक्ष किरण सिंह ने राहुल गांधी के समर्थन में लोकतंत्र बचाने की लड़ाई जारी रखने की बात कही। वहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष भारती त्यागी ने आरोप लगाया कि योजनाबद्ध तरीके से वोटों में हेरफेर किया जा रहा है। जयपुर शहर महिला कांग्रेस की नेता सुनीता पंवार ने कहा कि जनता अब जागरूक हो चुकी है और कथित गलत कार्यों के खिलाफ सड़कों पर उतर रही है। राजस्थान की ब्लॉक अध्यक्ष सोनी बेगम ने महंगाई और बेरोजगारी को लेकर जनता की नाराजगी का जिक्र करते हुए कहा कि लोग बदलाव चाहते हैं, इसी कारण इतनी बड़ी संख्या में रैली में जुटे हैं।

मतपत्र से चुनाव हो तो भाजपा नहीं जीत सकतीः प्रियंका गांधी

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने रविवार को दावा किया कि यदि देश में सही चुनाव और मत पत्र से चुनाव करा लिए जाएं तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को कभी चुनाव नहीं जीत सकती। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी का विश्वास घट रहा है तथा सिर्फ निर्वाचन आयोग की बदौलत चुनाव जीता जा रहा है। प्रियंका गांधी ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर दावा किया कि उत्तर प्रदेश में तीन करोड़ नामों को मतदाता सूचियों से काटे गए हैं। उनका कहना था कि बिहार विधानसभा चुनाव में हार को लेकर कांग्रेस समर्थकों को मायूस होने की जरूरत नहीं है क्योंकि यह चुनाव 65 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से काटकर और आचार संहिता के बीच लोगों के खातों में 10-10 हजार रुपये पहुंचाकर चोरी हुआ है।

घर में लगी आग, बच्चे की मौत

नई दिल्ली। शाहदरा जिले के विवेक विहार थाना क्षेत्र में बीती रात आग से झुलसे एक वर्षीय बच्चे की मौत हो गई, जबकि उसकी चार साल की बहन का इलाज अस्पताल में चल रहा है। शाहदरा जिले के पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौत ने रविवार को बताया कि बीती रात जीटीबी अस्पताल से सूचना मिली थी कि दो छोटे बच्चों को झुलसी हालत में अस्पताल लाया गया है।

इस सूचना पर विवेक विहार थाने में मामला दर्ज किया गया। जांच एएसआई सुरेश को सौंपी गई। जांच के दौरान घायलों की पहचान राजीव कैंप, झिलमिलनिवासी चार वर्षीय परी व एक वर्षीय अंश के रूप में हुई। वहीं देर रात जीटीबी अस्पताल से सूचना मिली कि इलाज के दौरान एक वर्षीय अंश की मौत हो गई है। इस संबंध में थाने में डीडी नंबर 138 दर्ज किया गया।

पुलिस उपायुक्त के अनुसार पूछताछ में बच्चों की मां निशा ने पुलिस को बताया कि वह कमरे में खाना बना रही थीं और कुछ देर के लिए बाहर गई थीं। दोनों बच्चे बिस्तर पर थे और गैस चूल्हे व बिस्तर के बीच की दूरी लगभग डेढ़ फुट थी। करीब 15 मिनट बाद लौटने पर उन्होंने देखा कि बिस्तर में आग लग चुकी थी और दोनों बच्चे झुलस गए थे। पड़ोसियों की मदद से बच्चों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में किसी तरह की आपराधिक साजिश या लापरवाही का संदेह नहीं पाया गया है। मामले की जांच जारी है।

युवक की चाकू घोंपकर हत्या, दो नाबालिग पकड़े

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के शकरपुर इलाके में डीजे पर डांस करने के दौरान हुए विवाद में एक युवक की उसके घर के सामने चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित मौके से फरार हो गए। खबर मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवाया। पुलिस अधिकारी के अनुसार जांच में मृतक की पहचान विशाल (19) के रूप में हुई है। पुलिस ने छानबीन के बाद वारदात में शामिल दो नाबालिग को पकड़ा। इनके पास से वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया गया है। जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि विशाल की एक नाबालिग की बहन से दोस्ती थी। इसको लेकर पहले भी विवाद हुआ था। नाबालिग ने विशाल की पिटाई कर दी थी। मामला थाने भी पहुंचा था। शनिवार रात एक शादी समारोह में दोनों नाबालिग व विशाल डीजे पर डांस कर रहे थे। इस बीच वहां हुए विवाद के बाद वारदात को अंजाम दिया गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की। क्राइम टीम व एफएसएल ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर एलबीएस मोर्चरी भेज दिया है। पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त अभिषेक धानिया ने रविवार को बताया कि विशाल परिवार के साथ स्कूल ब्लॉक, शकरपुर में रहता था। परिवार में पिता फुलचंद के अलावा मां तीजा, चार बहनें रानी, पूजा, आरती और ज्योति के अलावा एक बड़ा भाई राहुल है। विशाल ऑटो चालक था। शनिवार रात को बड़ी बहन पूजा की सहेली प्रियंका की घर के पास ही शिव मंदिर में शादी थी। रानी, पूजा और ज्योति शादी में गई हुई थीं। देर अधिक होने की वजह से रात करीब 11 बजे विशाल बहनों को शादी समारोह से लेने के लिए शिव मंदिर चला गया। बहनों के कहने पर उसने शादी में पहले खाना खाया, बाद में वह डीजे पर डांस करने लगा। वहां पर दोनों नाबालिग आरोपित भी डांस कर रहे थे। विशाल व दोनों के बीच कहासुनी हुई तो विशाल वहां से आ गया। वह बुरी तरह डरा हुआ था। विशाल ने बहनों को भी सारी बात बताई। उसका कहना था कि नाबालिगों के पास चाकू हैं, वह उसे मारने की धमकी दे रहे हैं। तीनों बहनें विशाल को लेकर घर की ओर जाने लगी। तभी परिजनों ने शोर सुना की विशाल को चाकू मार दिया हैं। परिवार विशाल को नजदीकी अस्पताल ले गया, जहां से एलबीएस रेफर कर दिया गया। वहां पहुंचने पर विशाल को मृत घोषित कर दिया गया।

क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई, नकली दवाओं का संगठित रैकेट पकड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने नकली और मिलावटी दवाओं के एक बड़े और संगठित रैकेट का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में करीब 2.3 करोड़ मूल्य की स्प्यूरियस (नकली) शेड्यूल-एच श्रेणी की मलहम बरामद की गई हैं, जिन्हें असली दवाओं के रूप में देशभर में बेचा जा रहा था। ये नकली दवाएं आम लोगों की सेहत के लिए गंभीर खतरा बन सकती थीं। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त आदित्य गौतम ने रविवार को बताया कि पुलिस टीम ने इस संबंध में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मीरपुर हिंदू गांव, लोनी, गाजियाबाद (उप्र) निवासीगौरव भगत और श्रीराम उर्फ विशाल गुप्ता के रूप में हुई है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि क्राइम ब्रांच की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि सदर बाजार, तेलीवाड़ा इलाके में नकली दवाओं की बड़ी खेप खपाई जा रही है। सूचना के आधार पर तकनीकी निगरानी और जमीनी खुफिया जानकारी के सहारे साइबर सेल की टीम ने छापा मारा। छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में नकली शेड्यूल-एच मलहम बरामद की गईं, जिनमें बेटनोवेट-सी और क्लॉप-जी जैसी चर्चित दवाएं शामिल थीं। ये मलहम आमतौर पर त्वचा रोगों और खेल चोटों के इलाज में इस्तेमाल की जाती हैं। इसके बाद आगे की जांच और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर उप्र के गाजियाबाद जिले के लोनी स्थित मीरपुर हिंदू गांव में नकली दवाएं बनाने की एक फैक्ट्री का पर्दाफाश किया गया। यहां से भारी मात्रा में तैयार नकली दवाएं, पैकिंग सामग्री, कच्चा माल, केमिकल्स और दवा बनाने की मशीनें बरामद की गईं। छापेमारी के दौरान ड्रग इंस्पेक्टर और संबंधित दवा कंपनियों के अधिकृत प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। पुलिस अधिकारी के अनुसार दिल्ली और उप्र के नॉर्थ व सेंट्रल जोन के ड्रग इंस्पेक्टरों तथा दवा कंपनियों के प्रतिनिधियों ने मौके पर जांच कर नमूने लिए। जांच में पुष्टि हुई कि जब्त दवाएं पूरी तरह नकली हैं और न तो संबंधित कंपनियों द्वारा बनाई गई थीं और न ही आरोपितों के पास इन्हें बनाने या बेचने का कोई वैध लाइसेंस था।

हजारों ट्यूब और सैकड़ों किलो सामग्री बरामद

पुलिस ने करीब 1200 ट्यूब नकली बेटनोवेट-सी, 2700 से अधिक ट्यूब नकली क्लॉप-जी, 3700 से ज्यादा ट्यूब नकली स्किन-शाइन मलहम, लगभग 22 हजार खाली नकली क्लॉप-जी ट्यूब, करीब 350 किलो मिलावटी मलहम, केमिकल्स और मशीनरी बरामद की है। क्राइम ब्रांच का कहना है कि इस रैकेट से जुड़े सप्लायरों, डिलीवरी नेटवर्क और अन्य आरोपियों की तलाश के लिए छापेमारी जारी है। पुलिस इस अवैध कारोबार की पूरी सप्लाई चेन को खत्म करने में जुटी हुई है।

आप ने दिल्ली में भाजपा की 'चुनावी धांधली' को लेकर कांग्रेस की चुप्पी पर सवाल उठाए

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सौरभ भारद्वाज ने 'वोट-चोरी' के मुद्दे पर कांग्रेस पार्टी की ईमानदारी पर सवाल उठाया। उन्होंने दिल्ली में वोट में हेराफेरी पर उनकी पिछली चुप्पी पर आरोप लगाते हुए कहा कि राहुल गांधी सिर्फ अपनी पार्टी के लिए बोलते हैं, देश के लिए नहीं। श्री भारद्वाज ने लोकतंत्र को मजबूत करने के सभी प्रयासों का स्वागत करते हुए पूछा कि कांग्रेस एक साल पहले चुप क्यों रही, जब अरविंद केजरीवाल और संजय सिंह समेत आप नेता दिल्ली चुनावों में जिसे वे 'वोट-चोरी' कह रहे हैं, उसके सबूत सार्वजनिक रूप से पेश कर रहे थे। भारद्वाज ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा, "उस समय हमारे नेता बार-बार सबूत पेश कर रहे थे लेकिन कांग्रेस पूरी तरह चुप रही।" उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दिल्ली में इन आरोपों पर बोलने की चुनौती दी। उन्होंने पूछा, "जब राहुल गांधी जंतर-मंतर या रामलीला मैदान में खड़े होंगे, तो क्या वे उसी विधानसभा क्षेत्र में खड़े होंगे जहां अरविंद केजरीवाल को उनके वोट हटाकर और फर्जी वोट बनाकर हराया गया था?" आप नेता ने सुझाव दिया कि दिल्ली के मुद्दे पर बोलने की इच्छा से कांग्रेस पार्टी की ईमानदारी की परीक्षा होगी। उन्होंने कहा, "अगर राहुल गांधी दिल्ली में वोट-चोरी पर बोलने से बचते हैं, तो यह साफ हो जाएगा कि यह पूरी कहानी सिर्फ उनके और उनकी पार्टी के लिए है, देश के लिए नहीं।" श्री भारद्वाज ने कहा कि लोकतंत्र के लिए बोलने का दावा करने वाले व्यक्ति के लिए निरंतरता बहुत जरूरी है। उन्होंने इस मुद्दे को एक जिम्मेदार विपक्षी नेता के रूप में उनकी पहचान से जोड़ दिया। कांग्रेस पार्टी ने अभी तक दिल्ली में चुनावी हेरफेर के दावों पर कोई जवाब नहीं दिया है।

संपादकीय

पर्यावरण या प्रदूषण की चिंता नहीं

जिस दौर में सरकारों की मेधा पर्यावरण संरक्षण कानूनों को इस तरह तोडने- मरोडने में लगी हो, जिससे ये प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन में आड़े ना आएं, उनसे किसी प्रकार के हल की उम्मीद रखना बेबुनियाद ही है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र पर छाये स्मॉग से जल्द राहत मिलने की संभावना नजर नहीं आती। इसका खतरनाक प्रभाव यहां के बाशिंदों पर हो रहा है। खुद भारत सरकार ने कहा है कि अस्पतालों में सांस संबंधी मरीजों की संख्या बढ़ रही है, जिनका सीधा संबंध प्रदूषित हवा से है। स्वास्थ्य राज्यमंत्री विक्रमजीत एस. साहनी ने राज्यसभा में बताया कि 2022 से 2024 तक सांस संबंधी दो लाख मरीजों को अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। बाल रोग विशेषज्ञों के हवाले से छपी एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि जहरीली हवा के दुष्प्रभाव से त्वचा रोग के मामले बढ़े हैं। खासकर इसका शिकार बच्चे हो रहे हैं।

बुजुर्गों के लिए बाहर निकलना कितना जोखिम भरा हो गया है, सोशल मीडिया ऐसी चर्चाओं से भरा-पड़ा है। मगर इतना गंभीर हाल होने के बावजूद हुक्मरान बेफ्रिक्र बने हुए हैं। जब कभी सूरत बेहद बिगड़ जाती है, तो वे पंजाब में पराली जलने की चर्चा कर अपने कर्त्तव्य से मुक्त हो जाते हैं! ये दलील बेतुकेपन की इस हद तक पहुंच चुकी है कि सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने अधिकारियों को ऐसा बहाना ना बनाने की सलाह दी। उचित ही उन्होंने कहा कि प्रदूषित हवा की वजहें ढांचागत रूप ले चुकी हैं। समाधान उनका ढूंढा जाना चाहिए। मगर जिस दौर में सरकारों की मेधा पर्यावरण संरक्षण कानूनों को इस तरह तोडने- मरोडने में लगी हो, जिससे प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन की गुंजाइश मिल जाए, उनसे ऐसे हल की उम्मीद रखना बेबुनियाद ही है। हाल में अरावली पहाडि़यों में खनन के बारे में जैसे दिशा-निर्देश तैयार किए गए हैं, उनसे साफ है कि सत्ताधारी नेताओं को पर्यावरण या प्रदूषण की तनिक भी चिंता नहीं है। अभी कुछ वर्ष पहले तक इस सीजन में स्मॉग छाने पर ऑड- इवन जैसे परिवहन नियमों पर बात होती थी। उससे कम-से-कम यह तो जरूर होता था कि लोगों में जागरूकता आती थी। लेकिन अब वैसी भी कोई फिक्र नजर नहीं आती। अब तो बस ये कोशिश है कि जब तक ये सीजन निकल नहीं जाता, सूरत पर जितना संभव है परदा डाले रखा जाए!

लौहपुरुष सरदार पटेल और एकीकृत भारत की नींव

देश के पहले गृहमंत्री और प्रथम उप-प्रधानमंत्री रहे सरदार पटेल का भारत के राजनीतिक एकीकरण के लिए अविस्मरणीय योगदान रहा। सरदार पटेल ने लंदन से वकालत की पढ़ाई पूरी कर अहमदाबाद में प्रैक्टिस शुरू की थी। वे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों से अत्यधिक प्रेरित हुए और इसीलिए उन्होंने गांधीजी के साथ भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन में हिस्सा लिया। वे भाई-भतीजावाद की राजनीति के सख्त खिलाफ थे और ईमानदारी के ऐसे पर्याय थे कि उनके देहांत के बाद जब उनकी सम्पत्ति के बारे में जानकारी जुटाई गई तो पता चला कि उनकी निजी सम्पत्ति के नाम पर उनके पास कुछ नहीं था। वह जो भी कार्य करते थे, पूरी ईमानदारी, समर्पण, निष्ठा और हिम्मत से साथ पूरा किया करते थे। उनके जीवन से जुड़े कई ऐसे प्रसंग सामने आते हैं, जो इस महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कुशल प्रशासक के जीवन को समझने में सहायक हैं। एक किसान परिवार में जन्मे वल्लभ भाई पटेल जब छोटे थे, तब अपने पिताजी के साथ खेत पर जाया करते थे। एक दिन जब उनके पिताजी खेत में हल चला रहे थे तो वल्लभ भाई पटेल उन्हीं के साथ चलते-चलते पहाड़े याद कर रहे थे।

- योगेश कुमार गोयल

सरदार पटेल की 75वीं पुण्यतिथि पर विशेष

राष्ट्रीय एकता के प्रति सरदार पटेल की निष्ठा आजादी के इतने वर्षों बाद भी पूरी तरह प्रासंगिक है। एकता की मिसाल कहे जाने वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल गुजरात के नाडियाद के किसान परिवार में 31 अक्तूबर 1875 को जन्मे, जिन्होंने सदैव देश की एकता को सर्वोपरि माना। सरदार पटेल ने भारत को खण्ड-खण्ड करने की अंग्रेजों की साजिश को नाकाम करते हुए बड़ी कुशलता से आजादी के बाद करीब 550 देशी रियासतों तथा रजवाड़ों का एकीकरण करते हुए अखण्ड भारत के निर्माण में सफलता हासिल की थी। राजनीतिक और कूटनीतिक क्षमता का परिचय देते हुए स्वतंत्र भारत को एकजुट करने का असाधारण कार्य बेहद कुशलता से सम्पन्न करने के लिए जाने जाते रहे सरदार पटेल का देहांत दिल का दौरा पड़ने के कारण 15 दिसम्बर 1950 को 75 वर्ष की आयु में हो गया था और इसी दिन को प्रतिवर्ष 'सरदार पटेल स्मृति दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

देश के पहले गृहमंत्री और प्रथम उप-प्रधानमंत्री रहे सरदार पटेल का भारत के राजनीतिक एकीकरण के लिए अविस्मरणीय योगदान रहा। सरदार पटेल ने लंदन से वकालत की पढ़ाई पूरी कर अहमदाबाद में प्रैक्टिस शुरू की थी। वे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों से अत्यधिक प्रेरित हुए और इसीलिए उन्होंने गांधीजी के साथ भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन में हिस्सा लिया। वे भाई-भतीजावाद की राजनीति के सख्त खिलाफ थे और ईमानदारी के ऐसे पर्याय थे कि उनके देहांत के बाद जब उनकी सम्पत्ति के बारे में जानकारी जुटाई गई तो पता चला कि उनकी निजी सम्पत्ति के नाम पर उनके पास कुछ नहीं था। वह जो भी कार्य करते थे, पूरी ईमानदारी, समर्पण, निष्ठा और हिम्मत से साथ पूरा किया करते थे। उनके जीवन से जुड़े कई ऐसे प्रसंग सामने आते हैं, जो इस महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कुशल प्रशासक के जीवन को समझने में सहायक हैं।

एक किसान परिवार में जन्मे वल्लभ भाई पटेल जब छोटे थे, तब अपने पिताजी के साथ खेत पर जाया करते थे। एक दिन जब उनके पिताजी खेत में हल चला रहे थे तो वल्लभ भाई पटेल उन्हीं के साथ चलते-चलते पहाड़े याद कर रहे थे। उसी दौरान उनके पांव में एक बड़ा-सा कांटा चुभ गया किन्तु वे हल के पीछे चलते हुए पहाड़े कंठस्थ करने में इस कदर लीन हो गए कि उन पर कांटा चुभने का कोई प्रभाव ही नहीं पड़ा। जब एकाएक उनके पिताजी की नजर उनके पांव में घुसे बड़े से कांटे और बहते खून पर पड़ी तो उन्होंने घबराते हुए बैलों को रोका और बेटे के पैर से कांटा निकालते हुए घाव पर पत्ते लगाकर खून बहने से रोका। बेटे की एकाग्रता और तन्मयता देख कर वे बहुत खुश हुए और जीवन में कुछ बड़ा कार्य करने का आशीर्वाद दिया।

वल्लभ भाई पटेल वकालत की पढ़ाई करने के लिए सन 1905 में इंग्लैंड जाना चाहते थे लेकिन पोस्टमैन ने उनका पासपोर्ट और टिकट उनके भाई विट्ठल भाई पटेल को सौंप दिए। दोनों भाइयों का शुरूआती नाम वी. जे. पटेल था, ऐसे में बड़ा होने के नाते उस समय विट्ठल भाई ने स्वयं इंग्लैंड जाने का निर्णय लिया। वल्लभ भाई पटेल ने बड़े भाई के निर्णय का सम्मान करते हुए न केवल बड़े भाई को अपना पासपोर्ट और टिकट दे दिया बल्कि इंग्लैंड में रहने के लिए उन्हें कुछ धनराशि भी भेजी।

सरदार पटेल का जीवन कितना सादगीपूर्ण था और उनका स्वभाव कितना सहज तथा नम्र था, यह इस किस्से से आसानी से समझा जा सकता है। सरदार पटेल उन दिनों भारतीय लेजिस्लेटिव असेंबली के अध्यक्ष थे। असेंबली के कार्यों से निवृत्त होकर एक दिन जब वे घर के लिए निकल ही रहे थे, तभी एक अंग्रेज दम्पत्ति वहां पहुंचा, जो विदेश से भारत घूमने के लिए आया था। सरदार पटेल सादे वस्त्रों में रहते थे और उन दिनों उनकी दाढ़ी बढ़ी हुई थी। अंग्रेज दम्पत्ति ने इस वेश में देखकर उन्हें वहां का चपरासी समझ लिया और असेंबली में घुमाने के लिए कहा। सरदार पटेल ने बड़ी ही विनम्रता से उनका यह आग्रह स्वीकार करते हुए उन्हें पूरे असेंबली भवन में घुमाया। इससे खुश होकर दम्पति ने सरदार पटेल को बख्शीश में एक रुपया देने का प्रयास किया लेकिन सरदार पटेल ने अपनी पहचान उजागर न करते हुए विनम्रतापूर्वक लेने से इन्कार कर दिया।

अगले दिन जब असेंबली की बैठक हुई तो वह अंग्रेज दम्पत्ति लेजिस्लेटिव असेंबली की कार्रवाई देखने के लिए दर्शक दीर्घा में पहुंचा और सभापति के आसन पर बढ़ी हुई दाढ़ी तथा सादे वस्त्रों वाले उसी शख्स को देखकर दंग रह गया। वह मन ही मन ग्लानि से भर उठा कि जिस शख्स को चपरासी समझकर उन्होंने उसे असेम्बली घुमाने के लिए कहा, वो कोई और नहीं बल्कि खुद इस असेंबली के अध्यक्ष हैं। अंग्रेज दम्पत्ति सरदार पटेल की सादगी, सहज स्वभाव और नम्रता का कायल हो गया और उसने असेम्बली की कार्रवाई के बाद सरदार पटेल से क्षमायाचना की। एकीकृत भारत की निर्माता यह महान शख्सियत 15 दिसम्बर 1950 को चिरनिद्रा में लीन हो गई।

कार्य स्थल पर तनाव का बढ़ता संकट

- डॉ प्रियंका सौरभ

भारत जिस तेज़ी से डिजिटल कार्य-संस्कृति की ओर बढ़ा है, उतनी ही तेज़ी से कर्मचारियों पर कार्य-संबंधी तनाव का बोझ भी बढ़ा है। स्मार्टफोन, ईमेल, टीम कम्युनिकेशन ऐप्स और वर्क-फ्रॉम-होम मॉडल ने कार्य और निजी जीवन की रेखा लगभग मिटा दी है। इसी संदर्भ में प्रस्तावित 'राइट टू डिसकनेक्ट बिल, 2025' न केवल कानूनी प्रयास है, बल्कि आधुनिक कार्य-संस्कृति के लिए भावी नैतिक व्यवस्था भी। इस बिल का मूल उद्देश्य सरल है- कर्मचारी को उसके कार्य समय के बाद डिजिटल तरीकों से काम से जोड़ने की बाध्यता को सीमित करना। किन्तु भारत जैसा विशाल, विविध और प्रतिस्पर्धी श्रम-परिदृश्य इस अधिकार के वास्तविक क्रियान्वयन को जटिल बनाता है।

दरअसल, आज की कार्यशैली 'ऑलवेज ऑन' मानसिकता पर आधारित है, जहाँ यह मान लिया जाता है कि कर्मचारी हमेशा उपलब्ध रहेंगे। पहले काम कार्यालय के दरवाज़े पर रुक जाता था; अब काम जेब में रखा मोबाइल बन गया है- हर पल साथ, हर पल सक्रिय। इस मनोवैज्ञानिक दबाव ने कर्मचारियों के तनाव स्तर, नींद की गुणवत्ता, पारिवारिक संबंधों और मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। कई अंतरराष्ट्रीय सर्वे बताते हैं कि लगातार डिजिटल उपलब्धता से बर्नआउट की दर तेज़ी से बढ़ती है और भारत जैसे देशों में यह प्रभाव अधिक तीव्र दिखाई देता है क्योंकि यहाँ कार्य-संस्कृति में 'अधिक काम करना' अक्सर 'अच्छा कर्मचारी' होने का पर्याय मान लिया गया है।

राइट टू डिसकनेक्ट इसी असंतुलन को सुधारने का नैतिक और कानूनी प्रयास है।

यह बिल कर्मचारियों को यह अधिकार देता है कि वे निर्धारित कार्य समय के बाद ईमेल, संदेश या कॉल का उत्तर देने के लिए बाध्य न हों। यह अवधारणा कई यूरोपीय देशों में कानूनी हकीकत बन चुकी है और इससे सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं- उच्च उत्पादकता, संतुलित मानसिक स्वास्थ्य और कम कर्मचारी पलायन। भारत में भी यह कदम कर्मचारी कल्याण के लिए महत्वपूर्ण आधार बना सकता है।

इस अधिकार का सबसे महत्त्वपूर्ण पक्ष मानसिक स्वास्थ्य सुरक्षा है। लगातार जुड़े रहने से मस्तिष्क को विश्राम नहीं मिल पाता, जिससे तनाव हार्मोन लगातार सक्रिय रहते हैं। अनेक अध्ययनों में पाया गया है कि डिजिटल अधिभार के कारण नींद की गुणवत्ता घटती है, चिड़चिड़ापन बढ़ता है और दीर्घकालीन स्वास्थ्य जटिलताएँ उत्पन्न होती हैं। भारत के आईटी और बीपीओ क्षेत्र में विशेष रूप से यह समस्या गहरी है, जहाँ समय-क्षेत्र (टाइम जोन) आधारित काम की प्रकृति के कारण कर्मचारी अक्सर देर रात तक उपलब्ध रहने को मजबूर होते हैं। यदि इस बिल को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए तो यह मानसिक शांति, व्यक्तिगत समय और पारिवारिक जीवन को संरक्षित करने की दिशा में बड़ा कदम होगा।

कार्य-जीवन संतुलन इस बिल की दूसरी सबसे बड़ी उपलब्धि हो सकती है। भारत की युवा कार्यशक्ति अत्यधिक महत्वाकांक्षी है, परंतु अनियंत्रित कार्य-समय उसके व्यक्तिगत विकास, सामाजिक संबंधों और शारीरिक स्वास्थ्य को क्षति पहुँचा रहा है। 'राइट टू डिसकनेक्ट' कर्मचारियों को यह सुरक्षा देता है कि उनके पास अपने लिए सुरक्षित समय होगा, जो किसी भी आधुनिक समाज की उत्पादक क्षमता के लिए बुनियादी शर्त है। विश्राम पाकर कर्मचारी केवल खुश नहीं होते बल्कि अधिक रचनात्मक, अधिक सतर्क और अधिक उत्पादक भी बनते हैं।

कानूनी दृष्टि से यह बिल एक महत्वपूर्ण शून्य को भरता है। भारत के मौजूदा श्रम कानून अभी तक डिजिटल युग की आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं हैं। इस बिल के लागू होने से एक औपचारिक ढाँचा तैयार होगा, जिसमें यह स्पष्ट हो पाएगा कि नियोक्ता की अपेक्षाएँ कार्य-समय के बाहर कितनी वैध हैं। इससे श्रमिक अधिकारों को मजबूती मिलेगी और कार्यस्थलीय शोषण की कई अनदेखी समस्याओं पर अंकुश लगेगा।

हालाँकि, इस बिल की राह उतनी आसान नहीं है जितनी नज़र आती है।

भारत की कार्य-संस्कृति स्वभावतः विविध है- बड़ी कंपनियों से लेकर छोटे स्टार्टअप, औपचारिक क्षेत्रों से लेकर लाखों अनौपचारिक और गिग वर्कर तक-सभी की कार्य-जरूरतें अलग-अलग हैं। एक समान नियम सभी क्षेत्रों पर लागू करना व्यवहारिक चुनौती बन सकता है। विशेषकर लघु व मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) में, जहाँ कर्मचारियों की संख्या कम और कार्य का बोझ अधिक होता है, बिल को लागू करना नियोक्ता के लिए कठिन हो सकता है।

सबसे बड़ी जटिलता भारत के आईटी क्षेत्र में उभरती है, जहाँ अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों के कारण समय-सीमाएँ वैश्विक होती हैं। काम का स्वभाव ही ऐसा है कि कई बार कर्मचारियों को नियमित कार्य-समय से बाहर मीटिंग या ईमेल का उत्तर देना आवश्यक होता है। इसी तरह, पत्रकारिता, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवाएँ, परिवहन और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में 24×7 उपलब्धता नौकरी का मूल हिस्सा है। इन स्थितियों में 'राइट टू डिसकनेक्ट' का शत-प्रतिशत अनुपालन संभव नहीं है। इसलिए यह बिल तभी प्रभावी होगा जब इसे लचीले क्षेत्र-विशिष्ट दिशा-निर्देशों के साथ लागू किया जाए।

एक अन्य चुनौती भारतीय कॉर्पोरेट संस्कृति में निहित है- यहाँ कर्मचारी का मूल्यांकन अक्सर उसकी उपलब्धता से जोड़ा जाता है। कई कर्मचारी आशंका में रहते हैं कि वे यदि ऑफ-ड्यूटी संदेशों या कॉल का उत्तर नहीं देंगे तो उनकी छवि खराब होगी या करियर प्रभावित होगा। यह समस्या भय और दबाव की संस्कृति को जन्म देती है, जिसे बदलने के लिए केवल कानून पर्याप्त नहीं; बल्कि मानसिकता में दीर्घकालीन बदलाव आवश्यक है।

इसके अतिरिक्त, तकनीकी दृष्टि से यह भी चुनौतीपूर्ण है कि नियोक्ता किस हद तक कर्मचारियों के डिजिटल उपकरणों की निगरानी कर सकते हैं। यदि कंपनियाँ निगरानी बढ़ाती हैं तो यह निजता के अधिकार का उल्लंघन कर सकती है। इसलिए बिल के साथ डिजिटल गोपनीयता के स्पष्ट मानक भी अनिवार्य होंगे।

इन चुनौतियों के बावजूद, यह बिल कर्मचारी कल्याण की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। इसका वास्तविक प्रभाव तब दिखेगा जब कंपनियाँ इसे केवल 'अनुपालन' के रूप में न देखें बल्कि इसे मानव-केंद्रित कार्य-संस्कृति का आधार बनाएं। कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण, नियोक्ताओं के लिए संतुलित दिशा-निर्देश और सरकार के लिए प्रभावी क्रियान्वयन तंत्र- ये तीन स्तंभ इस बिल को सफल बना सकते हैं। यदि भारत मानसिक स्वास्थ्य और कार्य-जीवन संतुलन को आधुनिक विकास का मूल मानता है तो यह बिल एक निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है।

सूरत के इस शिव मंदिर में बनाएं दर्शन का प्लान, इन बातों का रखें खास ख्याल

हम सभी को अक्सर ऐसे मंदिरों में दर्शन करना अच्छा लगता है। जो ऐतिहासिक होने के साथ खूबसूरत भी हो। ऐसा ही एक मंदिर सूरत में स्थित गलतेश्वर महादेव मंदिर हैं। यह मंदिर ऐतिहासिक होने के साथ खूबसूरती में भी कमाल है। यहां पर महादेव की विशाल मूर्ती इतनी अधिक खूबसूरत है कि आप इससे अपनी नजर नहीं हटा सकेंगे। इस मंदिर के बगल में तापी नदी बगती है। यहां से नजारा इतना सुंदर दिखता है कि आपका मन वापस आने को नहीं करेगा। मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए एक पुल भी बनाया गया है। जहां पर श्रद्धालु स्नान कर महादेव का आशीर्वाद ले सकते हैं। बता दें कि गलतेश्वर मंदिर में भोलेबाबा की 62 फुट ऊंची प्रतिमा है। यह मंदिर सूरत से करीब 40 किमी दूर तापी नदी के तट पर स्थित है। यहां पहुंचने में आपको डेढ़ से दो घंटे का समय लग सकता है। वहीं अगर आपके पास अपनी गाड़ी नहीं है, तो वापस आने में आपको परेशानी हो सकती है। इसलिए प्रयास करें कि आप ऑटो या कैब बुक करके जाएं। जो आपको वापस भी ला सके। अगर आप अपने बच्चे को भी लेकर जा रहे हैं, तो साथ में खाने-पीने की चीजें भी लेकर जा सकते हैं। यह गुजरात में घूमने की सबसे अच्छी जगहों में से एक है।

धर्मकर्म

इन बातों का रखें खास ख्याल

- बता दें कि मंदिर में एंट्री पार्किंग टू-व्हीलर के लिए जार्च 10 रुपये है।
- वहीं वॉशरूम के लिए 5 रुपये और पूल में नहाने के लिए आपको 50 रुपये देना होगा।
- मंदिर में प्रवेश के लिए आपको कोई टिकट नहीं लेना होगा।
- भोलेबाबा की मूर्ति के सामने आप फोटो ले सकते हैं।
- मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ होती है, इसलिए बच्चे को साथ लाने पर उसका हाथ पकड़े रहें।
- सामान रखने के लिए श्रद्धालुओं को लॉकर सुविधा मिलेगी और इसके आपको पैसे देने होंगे।
- मंदिर में आपको खाने-पीने की भी चीजें मिल जाएंगी।
- मंदिर सुबह 06 बजे से रात 08 बजे तक खुला रहेगा।

आज का इतिहास

1794 - फ्रांस में क्रांतिकारी ट्रिब्यूनल को समाप्त कर दिया गया।
1803 - ईस्ट इंडिया कंपनी ने उड़ीसा (अब ओडिशा) पर क़ब्ज़ा किया।
1911 - बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी सोसाइटी की स्थापना हुई।
1916 - प्रथम विश्व युद्ध के दौरान वेरदून में हुए लड़ाई में फ्रांस ने जर्मनी को हराया।
1917 - मोलदावियन गणराज्य ने रूस से स्वतंत्र होने की घोषणा की।
1953 - भारत की एस. विजयलक्ष्मी पंडित संयुक्त राष्ट्र महासभा के आठवें सत्र की प्रथम महिला अध्यक्ष चुनी गई।
1965 - बांग्लादेश में गंगा नदी के तट पर आये चक्रवात में 15,000 लोगों की मौत हुई।
1976 - न्यूजीलैंड से स्वतंत्र हुआ समोआ संयुक्त राष्ट्र का सदस्य बना।
1982 - स्पेन ने जिब्राल्टर की सीमा को खोल दिया। स्पेन की नयी सोशलिस्ट सरकार ने मानवीय आधार पर आधी रात को यह दरवाजे खोलकर स्पेन और जिब्राल्टर के लोगों के बीच की दीवार को खत्म कर दिया।
1991 - जाने माने फिल्म निर्माता सत्यजीत रे सिनेमा जगत में उनकी उपलब्धियों के लिए स्पेशल ऑस्कर से नवाजा गया।
1993 - जेनेवा में गैट (व्यापार एवं तटकर पर आम अहमति) विश्व व्यापार समझौते पर 126 देशों द्वारा हस्ताक्षर।
1995 - यूरोपीय यूनीयन के नेताओं में समग्र एकीकृत यूरोप की मुद्रा यूरो के लिए सहमति।
1997 - संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा किसी सार्वजनिक स्थान, वाहन या दफ़्तर पर उग्रवादियों द्वारा किये जाने वाले विस्फोटों को ग़ैर कानूनी घोषित किये जाने का प्रस्ताव पारित।
1997 - जैनेट रोसेनबर्ग जैगन गुयाना की राष्ट्रपति चुनी गईं। वह देश की पहली निर्वाचित महिला राष्ट्रपति होने के साथ ही गुयाना की पहली श्वेत राष्ट्रपति थीं।
1997 - अरुंधति रॉय को उनके उपन्यास 'द गॉड ऑफ स्मॉल थिंग्स' के लिए ब्रिटेन के सबसे प्रतिष्ठित साहित्यिक पुरस्कार 'बुकर पुरस्कार' से नवाजा गया।
2001 - इटली में पीसा की झुकी मीनार को 11 साल बंद रहने के बाद दोबारा खोला गया।

जेल की दीवारों के भीतर दिव्यांगता : गरिमा, अधिकार और राज्य की जिम्मेदारी

-डॉ. सत्यवान सौरभ-

किसी भी लोकतांत्रिक समाज में कारागार व्यवस्था केवल अपराध और दंड का प्रतीक नहीं होती, बल्कि वह राज्य की संवेदनशीलता, मानवीय दृष्टि और संवैधानिक प्रतिबद्धता की भी कसौटी होती है। भारतीय संविधान व्यक्ति की गरिमा को सर्वोच्च मूल्य के रूप में स्वीकार करता है और यह गरिमा अपराधी या कैदी बनने के बाद समाप्त नहीं हो जाती। इसी पृष्ठभूमि में सर्वोच्च न्यायालय के हालिया निर्देश, जिनमें जेलों में दिव्यांग कैदियों के लिए सहायता, सुविधाओं के ऑडिट और दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के प्रभावी अनुपालन पर बल दिया गया है, भारतीय कारागार व्यवस्था की एक गंभीर लेकिन लंबे समय से उपेक्षित सच्चाई को सामने लाते हैं। ये निर्देश इस तथ्य को रेखांकित करते हैं कि कारागारों में बंद दिव्यांग व्यक्ति न केवल स्वतंत्रता से वंचित होते हैं, बल्कि अक्सर अपने बुनियादी मानवीय अधिकारों से भी वंचित रह जाते हैं।

भारतीय जेलें ऐतिहासिक रूप से ऐसे 'सामान्य' शारीरिक और मानसिक मानकों पर आधारित रही हैं, जिनमें दिव्यांगता को एक अपवाद या प्रशासनिक असुविधा के रूप में देखा गया। परिणामस्वरूप, शारीरिक, संवेदी, बौद्धिक या मनोसामाजिक दिव्यांगता से ग्रस्त कैदियों की आवश्यकताओं को जेल प्रशासन के ढांचे में समुचित स्थान नहीं मिल पाया। प्रवेश के समय दिव्यांगता की पहचान और पंजीकरण का अभाव, आवश्यकताओं के आकलन की कमी और अलग से किसी नीति का न होना, इन कैदियों को अदृश्य बना देता है। यह अदृश्यता ही आगे चलकर उपेक्षा, असमान व्यवहार और कभी-कभी अमानवीय स्थितियों में बदल जाती है।

सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश इस स्थिति को बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप हैं। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 कारागारों पर भी समान रूप से लागू होता है और 'उचित समायोजन' तथा 'सुलभता' कोई दया या विशेष सुविधा नहीं, बल्कि कानूनी अधिकार हैं। इसके साथ ही, जेल परिसरों में दिव्यांगता संबंधी सुविधाओं का नियमित ऑडिट, स्वास्थ्य सेवाओं तक समान पहुँच और कानूनी सहायता के प्रावधान को अनिवार्य मानते हुए न्यायालय ने प्रशासनिक जवाबदेही की नींव रखी है। यह दृष्टिकोण कारागारों को केवल अनुशासनात्मक संस्थान नहीं, बल्कि अधिकार-आधारित सुधार गृह के रूप में देखने की मांग करता है।

वास्तविकता यह है कि भारतीय जेलों में दिव्यांग कैदियों को अनेक स्तरों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। सबसे पहली और बुनियादी समस्या सुलभता की है। अधिकांश जेल परिसरों में रैंप, रेलिंग, सुलभ शौचालय, समतल फर्श, स्पर्शनीय पथ या स्पष्ट संकेतकों का अभाव है। व्हीलचेयर उपयोग करने वाले कैदियों के लिए सीढ़ियाँ रोजमर्रा की गतिविधियों को भी असंभव बना देती हैं, जबकि दृष्टिबाधित कैदियों के लिए असमान फर्श और दिशासूचक संकेतों की कमी दुर्घटनाओं का जोखिम बढ़ाती है। यह स्थिति 'समान पहुँच' के संवैधानिक सिद्धांत का सीधा उल्लंघन है।

इसके साथ ही, चिकित्सा उपेक्षा एक गंभीर समस्या के रूप में उभरती है। नियमित स्वास्थ्य जांच, विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता और सहायक उपकरणों की समयबद्ध व्यवस्था का अभाव दिव्यांगता को और अधिक कष्टदायक बना देता है। कई मामलों में श्रवण यंत्र, व्हीलचेयर, छड़ी या अन्य सहायक साधनों की अनुपलब्धता कैदियों को पूरी तरह दूसरों पर निर्भर बना देती है। उपचार में विलंब से न केवल दिव्यांगता की तीव्रता बढ़ती है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। संचार संबंधी बाधाएँ इस समस्या को और गहरा कर देती हैं। श्रवणबाधित कैदियों के लिए सांकेतिक भाषा दुभाषियों का न होना, दृष्टिबाधितों के लिए ब्रेल या ऑडियो सामग्री का अभाव और बौद्धिक या मनोसामाजिक दिव्यांगता वाले कैदियों के लिए सरल भाषा में सूचना की कमी-इन सबका परिणाम यह होता है कि वे जेल नियमों, अनुशासनात्मक कार्यवाहियों, कानूनी प्रक्रियाओं और शिकायत निवारण तंत्र से लगभग कट जाते हैं। यह स्थिति न्याय तक समान पहुँच के अधिकार को कमजोर करती है। दिव्यांग कैदियों की सामाजिक स्थिति उन्हें और अधिक असुरक्षित बनाती है। भीड़भाड़ वाली बैरकों में वे उपहास, उपेक्षा या हिंसा के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। मनोसामाजिक दिव्यांगता वाले कैदियों को अक्सर अनुचित रूप से एकांतवास या कठोर अनुशासनात्मक उपायों का सामना करना पड़ता है, जबकि उनकी स्थिति विशेष देखभाल और उपचार की मांग करती है। इस प्रकार, कारागार का वातावरण उनके लिए दंड से अधिक पीड़ा का स्रोत बन जाता है।

संवैधानिक दृष्टि से यह स्थिति गंभीर चिंता का विषय है। अनुच्छेद 14 समानता का अधिकार देता है, अनुच्छेद 21 गरिमापूर्ण जीवन की गारंटी देता है और अनुच्छेद 39A न्याय तक समान पहुँच को राज्य का दायित्व बनाता है। ये सभी अधिकार जेल की दीवारों के भीतर भी उतने ही प्रभावी हैं। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 'उचित समायोजन' और 'सुलभता' को कानूनी अधिकार के रूप में स्थापित करता है, जबकि संयुक्त राष्ट्र का दिव्यांगजन अधिकार अभिसमय हिरासत में दिव्यांग व्यक्तियों के संरक्षण और समावेशन की स्पष्ट रूपरेखा प्रदान करता है। इन मानकों की अनदेखी भारत की संवैधानिक और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं दोनों को कमजोर करती है।

इस पृष्ठभूमि में, भारतीय कारागारों को दिव्यांगता-समावेशी बनाने के लिए व्यापक और संरचनात्मक सुधारों की आवश्यकता है। बुनियादी ढाँचे को सार्वभौमिक डिज़ाइन के सिद्धांतों के अनुरूप ढालना अनिवार्य है, जिसमें रैंप, सुलभ शौचालय, रेलिंग, स्पर्शनीय फर्श और स्पष्ट संकेतक शामिल हों। यह सुधार चरणबद्ध रूप से, मौजूदा जेलों में 'रेट्रोफिटिंग' के माध्यम से किया जा सकता है। इसके साथ ही, प्रवेश के समय दिव्यांगता की अनिवार्य स्क्रीनिंग, आवश्यकताओं का आकलन और डिजिटल पंजीकरण व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए, ताकि किसी भी कैदी की आवश्यकता अनदेखी न रह जाए।

स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में समग्र दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। नियमित चिकित्सीय जांच, मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ, सहायक उपकरणों की उपलब्धता और विशेषज्ञों के नियमित दौरे सुनिश्चित किए जाने चाहिए। दूरस्थ जेलों में टेलीमेडिसिन एक प्रभावी समाधान हो सकता है। संचार और कानूनी पहुँच के लिए सांकेतिक भाषा दुभाषिए, ब्रेल और ऑडियो सामग्री, सरल भाषा में नियमावली और ई-मुलाकात व ई-कोर्ट जैसी डिजिटल सुविधाओं में दिव्यांग कैदियों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मानव संसाधन विकास भी उतना ही महत्वपूर्ण है। जेल कर्मियों के लिए अनिवार्य दिव्यांगता-संवेदनशीलता प्रशिक्षण, व्यवहारिक दिशानिर्देश और जवाबदेही तंत्र विकसित किए जाने चाहिए। यह प्रशिक्षण केवल औपचारिक न होकर व्यवहार में संवेदनशीलता और सहानुभूति को बढ़ावा देने वाला होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, जहाँ संभव हो, दिव्यांग कैदियों के लिए वैकल्पिक दंड, चिकित्सीय आधार पर रिहाई या सुधारात्मक उपायों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। अंततः, दिव्यांगता-समावेशी कारागार केवल प्रशासनिक सुधार का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह मानवीय गरिमा, संवैधानिक नैतिकता और न्यायपूर्ण शासन की कसौटी है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जल महल की पाल से दिया स्वच्छता का संदेश

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को जल महल की पाल पर आयोजित राज्यस्तरीय स्वच्छता जागरूकता एवं श्रमदान कार्यक्रम में शिरकत कर स्वच्छ और स्वस्थ राजस्थान का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने स्वयं श्रमदान कर तथा पौधारोपण कर आमजन को स्वच्छता अपनाने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर उन्होंने स्वच्छता योद्धाओं को पीपीई किट वितरित कीं तथा चयनित लाभार्थियों को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के चेक प्रदान किए। वहीं मुख्यमंत्री ने नगर निगम की रोड स्वीपिंग मशीन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और 'इंप्लिमेंटेशन प्लान फॉर सिंगल यूज प्लास्टिक फ्री सिटीज' पुस्तिका का विमोचन भी किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनसमूह को स्वच्छता की शपथ दिलाते हुए कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ शहर ही स्वस्थ समाज और मजबूत अर्थव्यवस्था की नींव रखते हैं।इस अवसर पर सांसद मंजू शर्मा, विधायक गोपाल शर्मा एवं बालमुकुंदाचार्य, मुख्य सचिव वी.

श्रीनिवास सहित जनप्रतिनिधि और संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। इस कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रविवार सुबह जयपुर के चौड़ा रास्ता क्षेत्र पहुंचे, जहां उन्होंने एक स्थानीय दुकान पर चाय का स्वाद लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने आमजन और वेंडर्स से आत्मीयता के साथ संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने डिजिटल इंडिया को बढ़ावा देते हुए यूपीआई के माध्यम से चाय का भुगतान भी किया। मुख्यमंत्री का यह सादगीपूर्ण अंदाज आमजन के बीच चर्चा का विषय बना रहा।

भ्रष्टाचार व तुष्टीकरण की वजह से कांग्रेस का 'पतन' हुआ : मुख्यमंत्री शर्मा

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को कहा कि भ्रष्टाचार में शामिल लोगों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। कांग्रेस की ओर इशारा करते हुए शर्मा ने कहा कि भ्रष्टाचार व तुष्टीकरण की नीति के चलते ही उस पार्टी का 'पतन' हुआ जो कभी संसद से लेकर पंचायतों तक राज करती थी। शर्मा यहां जलमहल की पाल पर आयोजित राज्य स्तरीय स्वच्छता जागरूकता एवं श्रमदान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिसने भ्रष्टाचार किया है, उसे किसी भी कीमत पर नहीं बख्शेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, ''यह जनता का पैसा है, जनता का पैसा लूटने के लिए नहीं होता, जनता का पैसा जनता के हित में लगे। ये पैसा आम व्यक्ति, गरीब, मजदूर, किसान, जनता के हित में लगे, जिसका लाभ जनता को मिले। तुम तो उस पैसे को कहां-कहां ले जाते हो... इसलिए भुगत रहे हो।'' शर्मा ने कहा, ''कभी कांग्रेस संसद से लेकर पंचायत तक राज करती थी। लेकिन इनके कर्मों, भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण की नीति और झूठ-लूट ने इनकी पार्टी को धरातल पर ला दिया। कांग्रेस वह बीमारी है, अगर किसी दूसरे के साथ भी चली जाती है तो उसको भी गड्ढे में ले जाती है।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''जो काम कांग्रेस सरकार पांच साल में नहीं कर पाई, वह मेरी सरकार ने दो साल में कर दिया है। हमने घोषणापत्र में किए गए 70 प्रतिशत वादे पूरे किए हैं।'' उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस शासन के दौरान कई परीक्षा प्रश्नपत्र लीक के मामले हुए लेकिन भाजपा के राज में ऐसी कोई घटना नहीं हुई। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि स्वच्छता समाज और सरकार की साझा जिम्मेदारी है तथा राज्य सरकार प्रदेश को स्वच्छ और सुन्दर बनाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने आह्वान किया कि पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए एकल उपयोग प्लास्टिक का उपयोग नहीं करें।

छत्तीसगढ़ के 20 लाख के तीन इनामी नक्सलियों ने महाराष्ट्र में किया आत्मसमर्पण

जगदलपुर। नक्सलियों के एमएमसी (महाराष्ट्र-मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़) जोन के दर्रेकसा एरिया कमेटी कमांडर सहित 20 लाख के इनामी तीन नक्सलियों ने रविवार को महाराष्ट्र में आत्मसमर्पण किया है। महाराष्ट्र की गोंदिया पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में एमएमसी (महाराष्ट्र-मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़) जोन के दर्रेकसा एरिया कमेटी का कमांडर और आठ लाख का इनामी रोशन उर्फ मारा इरिया वेदजा (35) निवासी गांव मेंदरी, जिला बीजापुर (छत्तीसगढ़) सहित दो एसीएम कैडर के नक्सली सुभाष उर्फ पोज्जा बंडू राववा (26) निवासी वेरापल्ली, उसूर तहसील,जिला बीजापुर (छत्तीसगढ़) और रतन उर्फ मनकू ओमा पोय्याम (25) निवासी रेखापाल जिला नारायणपुर (छत्तीसगढ़) शामिल हैं। इन दोनों पर छह-छह लाख रुपये का इनाम था। छत्तीसगढ़ के इन तीनों नक्सलियों ने आज महाराष्ट्र के गोंदिया पुलिस अधीक्षक के समक्ष हथियार के साथ आत्मसमर्पण कर दिया। इन पर कुल 20 लाख रुपये का इनाम घोषित था। महाराष्ट्र के गोंदिया पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि आत्मसमर्पित नक्सलियों ने हथियार जमा किए, जिसमें रोशन उर्फ मारा इरिया वेदजा से एक एसएलआर बंदूक, दो मैगज़ीन और 25 राउंड । सुभाष उर्फ पोज्जा बंदू रव्या के कब्जे से एक एसएलआर, दो मैगज़ीन और 23 राउंड । रतन उर्फ मनकू ओमा पोयम पोयम से एक 8 एमएम का हथियार, 1 मैगजीन और 15 राउंड मिले हैं ।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड के नौ जिलों में तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिरा

रांची। झारखंड के नौ जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया है और राज्य के कुछ हिस्सों में शीतलहर की स्थितियां बनी हुई हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने रविवार को यह जानकारी दी। रांची मौसम विज्ञान केंद्र द्वारा जारी बुलेटिन के अनुसार, इन नौ जिलों में गुमला, हजारीबाग, खूंटी, लातेहार, लोहरदगा, रांची, सरायकेला, सिमडेगा और पश्चिम सिंहभूम जिले शामिल हैं। रांची स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के उप निदेशक अभिषेक आनंद ने कहा, ₹झारखंड के निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में अब भी चल रही उत्तर-पश्चिमी हवाओं के कारण तापमान में गिरावट आई है। मौसम विभाग के बुलेटिन के अनुसार राज्य में सबसे कम तापमान रांची में दर्ज किया गया जो 6.1 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके बाद गुमला में 7.1 डिग्री और खूंटी में 7.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। वहीं, डालटनगंज में न्यूनतम तापमान 8.1 डिग्री सेल्सियस रहा जबकि जमशेदपुर में यह 12 डिग्री सेल्सियस और चाईबासा में 10.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

झारखंडः बंगाल के कारोबारी और उसके सहयोगी के अपहरण के आरोप में छह गिरफ्तार

खूंटी (झारखंड)। झारखंड के खूंटी जिले में पश्चिम बंगाल के एक व्यवसायी और उसके सहयोगी का अपहरण करके 10 लाख रुपये की फिरौती मांगने के आरोप में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना शुक्रवार को जरियागढ़ पुलिस थाना क्षेत्र के तिलमी इलाके में हुई। पुलिस ने कहा कि घटना की सूचना मिलते ही उसने दोनों पीड़ितों को बचा लिया। तोरपा अनुमंडल अधिकारी क्रिस्टोफर केरकेट्टा ने कहा, ₹हमने दोनों पीड़ितों को बचा लिया है और इस अपराध में कथित रूप से शामिल छह लोगों को गिरफ्तार किया है।₹ पुलिस ने बताया कि व्यापारी हारू मुखर्जी (65) अपने सहयोगी विजय ओरांव(40) के घर ईंट भट्ठे में काम करने के लिए मजदूरों की भर्ती करने आया था। अधिकारी ने बताया कि आरोपी खूंटी के अलग-अलग इलाकों से हैं और पुलिस ने उनके पास से एक चार पहिया वाहन, तीन मोटरसाइकिल और पांच मोबाइल फोन जब्त किए हैं।

इंडियन आर्मी ने कश्मीर के ऊंचे इलाकों में पेट्रोलिंग तेज की

श्रीनगर। इंडियन आर्मी ने कश्मीर के ऊंचे इलाकों में पेट्रोलिंग तेज कर दी है ताकि घुसपैठ रोकी जा सके और लाइन ऑफ कंट्रोल के पास सेंसिटिव इलाकों पर लगातार चौकसी बनाए रखी जा सके भले ही भारी बर्फबारी न हुई हो। अधिकारियों ने बताया कि आर्मी ने ऊंची पहाड़ियों घने जंगलों और पहाड़ी दर्रों पर अपनी मौजूदगी मजबूत कर ली है ये ऐसे इलाके हैं जहां बर्फबारी के बाद आमतौर पर पहुंचना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा इस मौसम में बर्फबारी की कमी का फायदा आतंकवादी इन इलाकों में घुसपैठ करने की कोशिश में उठा सकते हैं। अधिकारियों के मुताबिक यह आर्मी के सर्दियों के सिक्योरिटी प्लान का हिस्सा है। ठंड के मौसम में कोहरा धुंध और आम लोगों की कम आवाजाही आतंकवादी गतिविधियों के लिए अच्छे हालात बना सकती है।

आंध्र प्रदेश के गुडिवाडा में दुकानों में लगी आग

गुडिवाडा (आंध्र प्रदेश)। गुडिवाडा के कृष्णा जिले में रविवार को मोबाइल फोन की एक दुकान में आग लग गई और आस-पास स्थित कपड़ों की पांच अन्य दुकानें भी इसकी चपेट में आ गईं। पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना तड़के करीब साढ़े चार बजे हुई। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से बताया कि गुडिवाडा में नेहरू चौक सेंटर के पास मोबाइल फोन की एक दुकान में आग लग गई और यह आग आस-पास की कपड़ों की पांच दुकानों में फैल गई। अधिकारी ने बताया कि आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट या मोबाइल फोन की बैटरी में विस्फोट हो सकता है।

मणिपुर में हथियारों का जखीरा बरामद, उग्रवादी कैडर व ड्रग तस्कर गिरफ्तार

इम्फाल। मणिपुर में बीते 24 घंटे में सुरक्षा बलों और मणिपुर पुलिस ने अलग-अलग जिलों में व्यापक अभियान चलाकर हथियारों का जखीरा बरामद किया, कई उग्रवादी संगठनों के सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया और एक ड्रग तस्कर को भी दबोचा।

पुलिस प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि, काकचिंग जिले के सुगनू थाना क्षेत्र अंतर्गत मोल्टिनचैन गांव इलाके में चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद किए। बरामद सामग्री में एक एसएलआर बिना मैगजीन, स्थानीय रूप से निर्मित एक बोल्ट-एक्शन स्नाइपर राइफल खाली मैगजीन सहित, एक डीबीबीएल, एक एसबीबीएल, खाली मैगजीन सहित एक स्थानीय पिस्तौल, एक 36 एचई हैंड ग्रेनेड बिना डेटोनेटर, 7.62 एलएमजी की एक खाली मैगजीन, तीन ट्यूब लॉन्चिंग, एसएलआर की 15 गोलियां, पांच स्टन शेल और एक 51 मिमी एचई बम शामिल हैं।

मणिपुर पुलिस ने बिष्णुपुर जिले के कुम्बी थाना क्षेत्र अंतर्गत कुम्बी मायाई लेइकाई वार्ड नंबर-6 से प्रतिबंधित संगठन प्रीपाक (प्रो) के एक सक्रिय कैडर थंगजाम प्रियोबार्ता सिंह उर्फ योक्खतपा (35) को उसके आवास से गिरफ्तार किया।

इंफाल पश्चिम जिले के सिंगजामेई थाना क्षेत्र के कांचीपुर इलाके से सुरक्षा बलों ने प्रीपाक (प्रो) के दो सक्रिय उगाहीकर्ताओं को भी पकड़ा। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान काकचिंग जिले के काकचिंग थोंगलान पारेंग निवासी क्षत्रिमयुम अबिनाश सिंह (21) और इंफाल पश्चिम जिले के क्वाकेइथेल थोकचोम लेइकाई निवासी राजकुमार डेनियल सिंह (31) उर्फ लोयताबा उर्फ जेस्सी उर्फ नाओटन के रूप में हुई है। इनके पास से एक 9 मिमी पिस्टल, मैगजीन में लोड 12 राउंड, .38 कैलिबर के दो कारतूस, तीन मोबाइल फोन और एक दोपहिया वाहन जब्त किया गया।

इंफाल पूर्व जिले के पोरोमपट थाना क्षेत्र अंतर्गत मोइरांगकंपू साजेब मखा लेइकाई इलाके से यूएनएलएफ (कोइरेंग) की दो सक्रिय महिला कैडरों को भी गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार महिलाओं में तुमुखोंग अवांग लेइकाई निवासी तखेल्लामबम सनथोई चानू उर्फ लोइंगकपी (19) और मोइरांगकंपू साजेब मखा लेइकाई निवासी कोंगब्राइलकपाम रमेशोरी देवी उर्फ लांगलेन उर्फ बेम्मा उर्फ बुचू (19) शामिल हैं। इनके पास से दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। एक अन्य कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने इंफाल पश्चिम जिले के लम्पेल थाना क्षेत्र अंतर्गत लम्पेल सुपर मार्केट से यूएनएलएफ (पी) के एक सक्रिय उगाहीकर्ता करम मणिकांत सिंह उर्फ अमुबा उर्फ एमके खुमन (46) को गिरफ्तार किया। उसके पास से दो मोबाइल फोन और एक पैन कार्ड सहित 1,020 नकद से भरा पर्स जब्त किया गया। इसके अलावा, मणिपुर पुलिस ने इंफाल पूर्व जिले के पोरोमपट थाना क्षेत्र के पोरोमपट पांगल लेइराक इलाके से एक ड्रग तस्कर बेसैमयुम याइबी (47) को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से हेरोइन नंबर-4 से भरे सात साबुन के डिब्बे बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि सभी मामलों में आगे की जांच जारी है और राज्य में अवैध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

कर्नाटक : पूर्व विधायक ने हवाई यात्रा के दौरान अपनी अमेरिकी सह-यात्री की बचाई जान

बेंगलुरु। पेशे से चिकित्सक कर्नाटक की पूर्व विधायक अंजलि निंबालकर ने गोवा-नयी दिल्ली उड़ान के दौरान एक अमेरिकी महिला यात्री की अचानक तबीयत बिगड़ने पर उसकी जान बचाई। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक यह घटना उस समय हुई, जब कांग्रेस की गोवा, दमन और दीव तथा दादरा नगर हवेली इकाई की सह-प्रभारी एवं सचिव निंबालकर रविवार को रामलीला मैदान में कांग्रेस द्वारा आयोजित 'वोट चोरी' रैली में शामिल होने के लिए दिल्ली जा रही थीं। उन्होंने बताया कि निंबालकर ने एक सहयात्री को बेचैनी और कंपकंपी की शिकायत होने के बाद 'कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन' (सीपीआर) देकर उसकी जान बचाई। अमेरिकी महिला यात्री विमान में बेहोश हो गई थी और उसकी नब्ज रुक गई थी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, निंबालकर पूरी उड़ान के दौरान मरीज के पास ही रहीं, उसकी चिकित्सा संबंधी जरूरतों पर लगातार ध्यान देती रहीं और उसे दिलासा देती रहीं। सूत्रों के अनुसार दिल्ली में उतरने के तुरंत बाद, अस्वस्थ विदेशी यात्री को एम्बुलेंस द्वारा अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने कहा कि निंबालकर द्वारा समय पर की गयी कार्रवाई की यात्रियों और चालक दल के सदस्यों ने सराहना की। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने निंबालकर की प्रशंसा करते हुए 'एक्स' पर लिखा, ''गोवा-नयी दिल्ली की उड़ान के दौरान खानपुर की पूर्व विधायक डॉ. अंजलि निंबालकर द्वारा दिखाई गई उल्लेखनीय सूझबूझ और करुणा के बारे में सुनकर मैं अत्यंत भावुक और बेहद गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। जब हवाई यात्रा के दौरान एक अमेरिकी महिला को चिकित्सकीय आपात स्थिति का सामना करना पड़ा, तो डॉ. अंजलि ने तुरंत स्थिति को संभाला और समय पर सीपीआर देकर एक अनमोल जान बचाई।'' मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए निंबालकर ने कहा कि उन्होंने एक चिकित्सक के रूप में अपना कर्तव्य निभाया है।

मेलघाट अभयारण्य में गिद्धों को छोड़े जाने से पहले वनकर्मियों को किया गया जागरूक

मुंबई। महाराष्ट्र के मेलघाट बाघ अभयारण्य (एमटीआर) में गिद्धों को छोड़े जाने से पहले 'बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी' (बीएनएचएस) ने वनकर्मियों एवं अन्य संबंधित कर्मचारियों को पक्षी संरक्षण और उन्हें छोड़ने के बाद देखभाल के तरीकों के बारे में जागरूक करने के लिए एक कार्यशाला आयोजित की। इस पुनर्प्रवेश कार्यक्रम के तहत अप्रैल 2025 में हरियाणा के पिंजौर से 'लॉन्ग-बिल्ड' प्रजाति के 15 गिद्धों को लाया गया था और अभयारण्य में छोड़े जाने से पहले अमरावती जिले के मेलघाट में स्थित केंद्र में रखा गया था। बीएनएचएस की विज्ञप्ति के अनुसार, पिछले

आठ महीनों में इन पक्षियों को स्वतंत्र रूप से शिकार तलाशने और स्थानीय पर्यावरण में ढलने का प्रशिक्षण दिया गया और उम्मीद है कि उन्हें जल्द ही अभयारण्य में छोड़ दिया जा ए गा । बीएनएचएस और राज्य वन विभाग ने 12 दिसंबर को अकोला जिले के आकोट वन्यजीव प्रभाग के शाहानूर में 'ब्रिंगिंग बैक द एपेक्स स्कैवेंजर' शीर्षक कार्यशाला का आयोजन किया। इसका उद्देश्य पशु चिकित्सकों, वनकर्मियों और अन्य कर्मचारियों को गिद्ध संरक्षण और उन्हें छोड़ने के बाद की देखभाल के बारे में जागरूक करना था।

गहलोत ने तीन विधायकों द्वारा कथित 'कमीशन' लेने के मामले में जांच की मांग की

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से उन खबरों का संज्ञान लेने का आग्रह किया जिनमें आरोप लगाया गया है कि तीन विधायक, 'विधायक निधि' जारी करने के बदले कथित तौर पर रिश्वत/कमीशन ले रहे हैं। गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा,''विधायकों द्वारा 'विधायक निधि' जारी करने के बदले रिश्वत/कमीशन लेने संबंधी प्रकाशित खबर अत्यंत गंभीर और चिंताजनक है।'' उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शर्मा व विधानसभा अध्यक्ष देवनानी को

तत्काल इस मामले का संज्ञान लेते हुए इसकी उच्च स्तरीय जांच करवानी चाहिए। उन्होंने लिखा,''जनप्रतिनिधियों के लिए सार्वजनिक जीवन में शुचिता और ईमानदारी सर्वोपरि होनी चाहिए।'' इस कतिपय मीडिया रिपोर्ट में तीन विधायकों पर 'विधायक निधि' जारी करने के बदले रिश्वत/कमीशन लेने का आरोप लगाया गया है। उन्होंने कहा कि इन विधायकों में एक-एक विधायक कांग्रेस और भाजपा का है जबकि एक निर्दलीय विधायक है। गहलोत ने एक अन्य पोस्ट में 'शेखावाटी क्षेत्र में यमुना का पानी नहीं पहुंचने' की खबर के हवाले से कहा,''प्रेस वार्ता में 72 फीसदी वादे पूरे करने का दम भरने वाले मुख्यमंत्री शर्मा के लिए यह खबर किसी आईने से कम नहीं है। ऐसा प्रतीत होता है कि मुख्यमंत्री का जमीनी हकीकत से सरोकार पूरी तरह खत्म हो चुका है।

ठाणेः पुलिस ने 2.52 लाख रुपये मूल्य का अवैध बीफ किया जब्त, दो गिरफ्तार

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पुलिस ने एक कार में अवैध रूप से ले जाए जा रहे 2.52 लाख रुपये मूल्य के बीफ (गोवंश का मांस) को जब्त किया है और इस संबंध में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार रात गश्त के दौरान, पुलिस ने भिवंडी के कोंगांव में एक संदिग्ध कार को घुमते देखा। कोंगांव थाने के एक अधिकारी ने कहा, ₹हमारी गश्ती टीम ने वाहन को रोककर जांच की और पाया कि उसमें बीफ को अवैध रूप से ले जाया जा रहा था।₹ उन्होंने बताया कि नासिक और अहिल्यानगर के रहने वाले दोनों कार सवार कोई वैध दस्तावेज या बीफ के परिवहन की अनुमति प्रस्तुत करने में विफल रहे। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने बीफ जब्त कर कार सवार व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि उनके (कार सवार के) खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और महाराष्ट्र प्राणी रक्षण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पालघर में पत्नी की पीट-पीटकर हत्या, व्यक्ति गिरफ्तार

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले में घरेलू झगड़े के बाद पत्नी की पीट-पीटकर हत्या करने के आरोप में पुलिस ने 32 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मोखाडा तालुका के गोमघर गांव में रहने वाले इस दंपति के बीच अक्सर झगड़े होते थे। मोखाडा थाने के एक अधिकारी ने पीड़िता के पिता की शिकायत का हवाला देते हुए बताया कि शनिवार तड़के दोनों के बीच फिर से झगड़ा हुआ जिसके बाद आरोपी बलवंत गड़े ने अपनी पत्नी लता बलवंत गड़े को कथित तौर पर पीट-पीटकर मार डाला। उन्होंने बताया कि शिकायत के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

मुंबई में नकली आभूषणों के जरिए एक व्यक्ति से 25 लाख रुपये की ठगी; पांच लोग गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई के व्यक्ति से एक गिरोह ने कथित तौर पर 25 लाख रुपये की धोखाधड़ी की है, जिन्होंने व्यक्ति से खुदाई के दौरान सोने के आभूषण मिलने का झूठा दावा कर उसे नकली आभूषण बेच दिए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि उसने गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है, ये सभी राजस्थान के जालोर जिले के रहने वाले हैं। मुंबई के मलाड इलाके के निवासी पीड़ित दिनेश मेहता (51) ने अपनी पुलिस शिकायत में कहा कि आरोपियों में से एक बाबूलाल भालाराम वाघेला ने राजस्थानी भाषा में बातचीत करके उनसे दोस्ती की

थी। मलाड पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने दावा किया कि उसने नासिक में एक मंदिर के पीछे खुदाई के दौरान लगभग 900 ग्राम वजन के सोने के आभूषण पाए थे। वाघेला ने पीड़ित से कहा कि या तो वह गहने बेचने में उसकी मदद करे या फिर उन्हें खुद खरीद ले। आरोपी ने पीड़ित को कुछ गहने दिखाए और नमूने के तौर पर कुछ 'सोने' के मनके दिए। अधिकारी ने बताया कि ये मनके सोने के बने प्रतीत हो रहे थे जिसके बाद पीड़ित ने आरोपी से कथित तौर पर 25 लाख रुपये नकद देकर आभूषण खरीदे। पुलिस ने बताया कि हालांकि जब वह आभूषणों को जांच के लिए एक जौहरी के पास ले गया तो वे नकली पाए गए। इसके बाद पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस ने 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज की जांच की और इस संबंध में गुजरात और महाराष्ट्र के पालघर जिले के विरार से पांच लोगों को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि आरोपियों की पहचान बाबूलाल भलाराम वाघेला (55), कोकूबाई बाबूलाल वाघेला (50), मंगलाराम मानाराम वाघारी (34), केसाराम भगताराम वाघारी और भवरलाल बाबूलाल वाघारी के रूप में हुई है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने बाबूलाल वाघेला के घर से 15.45 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं जो आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में एक और आरोपी की तलाश जारी है।

मेरे लिये संगठन और पार्टी कार्यकर्ता सर्वोपरि हैं : पंकज चौधरी

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उत्तर प्रदेश इकाई के नवनिर्वाचित अध्यक्ष पंकज चौधरी ने रविवार को कहा कि उनकी नजर में संगठन और पार्टी कार्यकर्ता 'सर्वोपरि' हैं और नेतृत्व के अपने मूल मंत्र 'संगठन, संपर्क, संवाद और समन्वय' के आधार पर वह पार्टी को मजबूत बनाने के लिये काम करेंगे। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने राजधानी में आयोजित एक समारोह में उन्हें पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष घोषित किये जाने के बाद कहा कि वह सात बार महराजगंज से सांसद और कई बार केंद्रीय मंत्री रह चुके हैं लेकिन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के रूप में उन्हें अब तक की सबसे बड़ी जिम्मेदारी मिली है।

उन्होंने कहा, ''मेरी नई जिम्मेदारी अब तक मिली तमाम जिम्मेदारियों से अधिक गंभीर और चुनौतीपूर्ण है, लेकिन मुझे विश्वास है कि गौरवशाली कार्यकर्ताओं का स्नेह और समर्पण इस महान दायित्व के निर्वहन में मेरी मदद करेगा। इससे पहले अब तक 15 प्रदेश अध्यक्षों ने अपने अनुभवों से प्रदेश में भाजपा को सींचा है। मैं सभी के अनुभवों से सीखने और मार्गदर्शन प्राप्त करने का भी प्रयास करूंगा।'' चौधरी ने कहा कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का दायित्व मिलने से वह उत्साहित, रोमांचित और गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

उन्होंने यह जिम्मेदारी सौंपने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ-साथ 'संघ परिवार' (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) का दिल की गहराइयों से धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि यह भारतीय जनता पार्टी जैसी लोकतांत्रिक पार्टी में ही संभव है कि उनके जैसे सामान्य कार्यकर्ता को भी एक बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। उनके मुताबिक, भाजपा में ना परिवारवाद चलता है और ना ही जातिवाद।

चौधरी ने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल में कार्यकर्ता, कार्यालय, कार्यक्रम और कोष के रूप में चार सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ होते हैं और इनमें कार्यकर्ता सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। उन्होंने कहा, ''मेरे मन में अपने कार्यकर्ताओं के प्रति बहुत आदर है और आज इस मंच से मैं पूरे प्रदेश के भाजपा कार्यकर्ताओं से कहना चाहता हूं कि आप मेरे लिए सर्वोपरि हैं। आपके लिए मैं लडूंगा और अड़ूंगा। आपकी बात भी सुनूंगा और समाधान खोजने के सारे प्रयास करूंगा।'' चौधरी ने कहा, ''केवल आदेश देना ही नेतृत्व नहीं होता।

मेरे लिए नेतृत्व के मायने हैं- बड़प्पन के साथ सब की बात सुनना और समाधान के हर संभव प्रयास करना। मुझे शासन नहीं करना है बल्कि भूमिका अदा करनी है। मुझे एक समन्वयकर्ता की, समाधान खोजकर्ता की, पूरे परिवार को एक साथ लेकर चलने वाले एक मुखिया की भूमिका अदा करनी है।'' उन्होंने कहा कि वह नेतृत्व के अपने चार मूल मंत्रों 'संगठन, संपर्क, संवाद और समन्वय' के जरिये काम करेंगे।

भाजपा नेता ने कहा ''संगठन और सरकार के बीच समन्वय, आपकी बातें, आपके विचार एवं आपकी समस्याएं सरकार तक पहुंचाने की जिम्मेदारी मेरी है। सरकार के जनहितकारी कार्यों की जानकारी आम जनता तक पहुंचाने की जिम्मेदारी हमारी और आपकी, दोनों की ही है। कार्यकर्ता ही असली पूंजी और असली ताकत है।'' चौधरी ने कहा, ''हमारे पास तमाम पूर्व सांसद, विधायक और पूर्व पदाधिकारी हैं। मेरा प्रयास रहेगा कि इन सबके राजनीतिक अनुभवों का लाभ पार्टी को मिलता रहे और उनके अनुभव से पार्टी समृद्ध होती रहे। मेरा प्रयास रहेगा कि भाजपा परिवार और संगठन को और ऊंचाइयों तक ले जाऊं।'' केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री चौधरी को रविवार को भाजपा का नया प्रदेश अध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित किया गया।

भारतीय जनता पार्टी की कार्यप्रणाली देख दुनिया है हैरान: पीयूष गोयल

लखनऊ। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी के हम सदस्य हैं। दुनिया हैरान है कि जितने व्यवस्थित व लोकतांत्रिक तरीके से सदस्य बनाने से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने का काम आपसी समन्वय से ही होता है, जो कि अकल्पनीय है।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री गोयल रविवार को यहां डॉ राममनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित भारतीय जनता पार्टी के संगठन पर्व समारोह में नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष व राष्ट्रीय परिषद सदस्यों के आधिकारिक घोषणा करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संगठन पर्व के अवसर पर मुझे बड़ी प्रसन्नता हो रही है कि यह घोषित करते हुए कि सर्वसम्मति से केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। पीयूष गोयल ने कहा कि 1.62 लाख बूथों पर चुनाव होता है और सर्वसम्मति से घोषणा होती है। इसका सारा श्रेय पार्टी कार्यकर्यताओं को जाता है। उन्होंने कहा कि हमारे नेताओं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय तथा अटल बिहारी बाजपेयी ने जिस प्रकार से पार्टी को आगे बढ़ाया, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के मार्गदर्शन में पार्टी का लगातार विस्तार हो रहा है, उसी के बलबूते हम आज इतनी बड़ी संख्या में यहां एकत्र हुए हैं। राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों के नाम की भी घोषणाइस अवसर पर उन्होंने राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों की भी घोषणा की। उन्होंने कुल 120 राष्ट्रीय परिषद सदस्यों का जिक्र करते हुए कुछ प्रमुख नाम गिनाए। उन्होंने नवनिर्वाचित पार्टी प्रदेश अध्यक्ष तथा राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय परिषद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी राष्ट्रीय परिषद के सदस्य के तौर पर सम्मिलित हैं। प्रधानमंत्री मोदी वाराणसी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर से सदस्य बनाए गए हैं।

इसके अतिरिक्त रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लखनऊ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य प्रयागराज तथा उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक उन्नाव से शामिल हुए हैं। इसी क्रम में भूपेंद्र सिंह चौधरी संभल, स्मृति ईरानी सुल्तानपुर, डॉ महेंद्र नाथ पांडेय वाराणसी, सूर्य प्रताप शाही सलेमपुर, स्वतंत्र देव सिंह बांदा व डॉ. रमापति राम त्रिपाठी गोरखपुर से राष्ट्रीय परिषद के सदस्य बने हैं।

2027 के चुनाव में भाजपा को हटाकर सपा को लाना होगा : शिवपाल सिंह यादव

कानपुर। हमारा प्रयास है कि जो वोट सही हैं वो कटने न पाए और फर्जी वोट बढ़ने न पाए। बीजेपी केवल षड्यंत्र करती है जिसका जवाब उन्हें जनता देगी। बीजेपी घबराई हुई है और 2027 के चुनाव भाजपा को हटाकर सपा को लाना होगा। यह बातें रविवार को सपा विधायक नसीम सोलंकी के आवास पहुंचे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने कही। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव कानपुर के जाजमऊ स्थित सपा विधायक नसीम सोलंकी के आवास पहुंचे। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए वह मौजूदा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल हर तरह की बेईमानी कराती है। फिर चाहे उसे मशीनों से करानी हो, या जरुरत पर प्रशानिक अधिकारियों का प्रयोग भी करती है। भाजपा केवल जनता को भड़काने का काम करती है। महंगाई भ्रष्टाचार और बेरोजगारी पर ध्यान न देकर जनता को केवल मंदिर मस्जिद और हिंदू मुस्लिम में लड़वाने का काम कर रही है।

राम मंदिर पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि अगर राम मंदिर बन सकता है तो मस्जिद भी बनवा दें। सीसामऊ विधानसभा की जनता लगातार सपा को जितवाने का काम कर रही है लेकिन इस बार अन्य विधानसभा में भी सपा का कैंडिडेट जीतेगा। हम जनता की उन समस्याओं का निस्तारण कराएंगे, जिन पर कोई भी बात नहीं करता है।

मौजूदा सरकार ने इस शहर को स्मार्ट सिटी बनाने का वादा किया था, लेकिन एक दशक बीत चुका है अभी तक यहां पर कोई भी बदलाव देखने को नहीं मिला है। बिजली के दाम आसमान छू रहे हैं। आउटसोर्सिंग कर्मचारी सैलरी को लेकर परेशान हैं। राजधानी दिल्ली में कांग्रेस की महारैली को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि चुनाव नजदीक है। राजनीतिक पार्टियां अपना-अपना काम करेंगी लेकिन सभी को यह भी याद रखना होगा कि भाजपा को सत्ता से बाहर करना होगा।

भाजपा का नया प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद बोले सीएम योगी
सरकार और संगठन मिलकर काम करेंगे

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी को बधाई देते हुए रविवार को कहा कि अब सरकार और संगठन मिलकर नई ऊर्जा और तेजी के साथ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुसार काम करेंगे।

मुख्यमंत्री ने चौधरी को निर्विरोध प्रदेश भाजपा अध्यक्ष घोषित किये जाने के बाद समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि एक अनुभवी कार्यकर्ता को पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष का दायित्व मिलने के साथ ही प्रदेश में अब नई गति के साथ सरकार और संगठन मिलकर प्रधानमंत्री की मंशा के अनुरूप कार्य को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा, ''आज प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के साथ संगठन पर्व का यह दायित्व उत्तर प्रदेश के अंदर

अपनी पूर्णाहुति की ओर अग्रसर हो चुका है लेकिन नए दायित्व के कार्य हम सबके सामने नई चुनौती के साथ खड़े हैं।" आदित्यनाथ ने निर्वाचन की प्रक्रिया को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, केंद्रीय चुनाव अधिकारी के. लक्ष्मण और राज्य चुनाव अधिकारी डॉक्टर महेंद्र नाथ पांडेय को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा उत्तर प्रदेश में पिछले साढ़े आठ वर्ष में जो भी परिवर्तन हुए हैं, वे प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन और 'डबल इंजन' सरकार की 'डबल इंजन स्पीड' के जरिए हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह एक-एक कार्यकर्ता की मेहनत और परिश्रम का परिणाम है कि उत्तर प्रदेश के बारे में पहले जो नजरिया था, वह बदला है। मुख्यमंत्री ने दावा किया, "पिछले साढ़े आठ सालों में उत्तर प्रदेश में पौने नौ लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी बिना किसी भेदभाव के प्राप्त हुई है। अब तक 15 लाख करोड रुपये से अधिक के निवेश की योजनाएं जमीनी धरातल पर उतरी हैं और छह लाख से अधिक की परियोजनाओं की शुरुआत होने जा रही है।"

उन्होंने सहयोग के लिये केंद्रीय नेतृत्व की भी सराहना की और कहा, ''योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए हमने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह और केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से जब भी सहयोग मांगा, हमें पूरी तत्परता से प्राप्त हुआ। उसके बल पर 'डबल इंजन' सरकार की सामर्थ्य और शक्ति से उत्तर प्रदेश प्रगति के नए रास्तों पर आगे बढ़ रहा है।'' मुख्यमंत्री ने अयोध्या के राम मंदिर, वाराणसी के काशी विश्वनाथ धाम और मिर्जापुर में मां विंध्यवासिनी देवी धाम का जिक्र करते हुए कहा कि सभी तीर्थों की वैश्विक मानचित्र पर पुनर्स्थापना का कार्य आज प्रभावी ढंग से 'डबल इंजन' की सरकार आगे बढ़ा रही है।

आदित्यनाथ ने कहा कि यह काम इसलिए हो पा रहा है क्योंकि जनमानस को भी विश्वास है कि सरकार करेगी तो अच्छा ही करेगी। कार्यक्रम को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र नाथ पांडेय और निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने भी सम्बोधित किया।

बरेली हिंसा के आरोपी मौलाना तौकीर पर एक और मामला दर्ज

बरेली। बरेली में जमीन विवाद के मामले में 26 सितंबर में हुई हिंसा के आरोप में जेल में बंद इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा पर एक और मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। बरेली के इज्जत नगर थाने में शनिवार को दर्ज कराई गई रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि मौलाना तौकीर रजा, उनके बहनोई मोहसिन रजा तथा आठ अन्य आरोपियों ने 95 वर्षीय बुजुर्ग मुकद्दर बेग की जमीन पर अवैध कब्जा करने की कोशिश की। विरोध करने पर आरोपियों ने पिछली सात दिसंबर को घर में घुसकर परिवार को धमकाया और महिलाओं से छेड़छाड़ की।

इसके बाद परिवार का लगातार मानसिक उत्पीड़न किया गया। पुलिस सूत्रों ने दर्ज रिपोर्ट के हवाले से बताया कि आरोपियों की प्रताड़ना से परेशान होकर मुकद्दर बेग के बेटे शाकिर बेग ने जहरीला पदार्थ खा लिया। उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने बताया कि इज्जतनगर थाने में शाकिर बेग की बेटी लायबा की शिकायत पर शनिवार को मौलाना तौकीर रजा, उनके बहनोई मोहसिन रजा और गुर्गों शारिक बेग, तौफीक बेग, शाहिद बेग, शाविर, सादिक, इकराम बेग, इरफान बेग और विक्की नामक अभियुक्तों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) (धोखाधड़ी), 333 (हमला करना), 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना), 351(3) (आपराधिक धमकी), 75 (यौन उत्पीड़न) और 61 (2) (आपराधिक षड्यंत्र) के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि पीड़ित परिवार के बयान दर्ज किये जा रहे हैं। सभी तथ्यों की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और जो भी आरोपी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अस्पताल में भर्ती शाकिर बेग ने बताया कि उसके पिता मुकद्दर बेग काफी बुजुर्ग हैं और लंबे समय से बीमार हैं। उनकी इसी स्थिति का फायदा उठाकर मौलाना तौकीर रजा और उनके बहनोई मोहसिन रजा ने साजिश रची। बेग ने बताया कि रिश्ते में उनके भाई शारिक बेग, तौफीक बेग, शाहिद बेग, शाकिर बेग और सादिक बेग ने मिलकर तौकीर के इशारे पर जमीन जबरन अपने नाम कराने का दबाव बनाया। शाकिर ने बताया कि कि जमीन हड़पने के लिए आरोपियों ने पीड़ित परिवार को डराया और जान से मारने की गंभीर धमकियां दीं। आखिरकार इस अत्याचार से तंग आकर 11 दिसंबर को उन्होंने जहरीला पदार्थ खा लिया।

महंत को धमकी देने के मामले में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संभल। नैमिषारण्य तीर्थ के महंत बालयोगी दीनानाथ को फोन पर धमकी देने के मामले में कोतवाली पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर किया है। कोतवाली प्रभारी गजेंद्र सिंह ने रविवार को बताया कि यह धमकी आजमगढ़ जिले से विश्व हिंदू परिषद का मंत्री बताकर दी गई थी। यह पूरा मामला प्राचीन भुवनेश्वर तीर्थ पर रह रहे साधु रूपी उमाशंकर सिंह के जेल जाने से जुड़ा है। महंत ने बीते शनिवार को धमकी से संबंधित 15 मिनट की रिकॉर्डिंग के साथ एक शिकायत पुलिस में दर्ज कराई थी। 10 दिसंबर को थाना रायसत्ती क्षेत्र के गांव खानपुर खुम्भार स्थित भुवनेश्वर तीर्थ की भूमि का दुरुपयोग करने के आरोप में साधु के रूप में रह रहे उमाशंकर सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उन्हें शांतिभंग के आरोप में चालान किया गया, जिसके बाद संभल एसडीएम रामानुज ने न्यायालय में पेशी के उपरांत उमाशंकर सिंह को जेल भेज दिया था। 12 दिसंबर की रात उमाशंकर सिंह के मोबाइल नंबर से महंत बालयोगी दीनानाथ को धमकी मिली। धमकी देने वाले व्यक्ति ने खुद को आजमगढ़ के हिंदू संगठनों में अध्यक्ष या मंत्री बताया। उसने महंत को जेल भिजवाने और जमानत न होने पर संभल से गोरखपुर या मठ आने पर 'देख लेने' की धमकी दी। महंत बाल योगी दीनानाथ नाथ संप्रदाय से जुड़े हैं। महंत और धमकी देने वाले शख्स के बीच लगभग 15 मिनट तक आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला। महंत बालयोगी दीनानाथ ने बताया कि पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है और उन्हें न्याय की पूरी उम्मीद है।

सड़क हादसा, दो भाईयों समेत 4 की मौत

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश में हमीरपुर जिले के मौदहा क्षेत्र स्थित इचौली गांव के पास बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर रविवार को कार और टूरिस्ट बस की भिड़ंत हो गई। हादसे में दो सगे भाईयों समेत चार लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।महोबा जिले के खन्ना थाना क्षेत्र के ग्योड़ी गांव निवासी घनश्याम की मां का निधन हो गया था। अंतिम संस्कार के बाद रविवार को सिद्धगोपाल (65), रामसहोदर (40), घनश्याम (55) और सोनू (35) समेत तीन अन्य परिवार के लोग अस्थियां विसर्जन के लिए बोलेरो गाड़ी में सवार होकर प्रयागराज जा रहे थे। हमीरपुर जिले के मौदहा क्षेत्र के इचौली गांव के पास बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर बोलेरो में पीछे से बांदा जा रही तेज रफ्तार टूरिस्ट बस ने टक्कर मार दी। हादसे में सिद्धगोपाल, रामसहोदर और घनश्याम की मौके पर मौत हो गई। सोनू, राधेश्याम और आशाराम को गंभीर हालत में बांदा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया, जहां सोनू की भी मौत हो गई। मृतकों में रामसहोदर और धनश्याम दोनों सगे भाई हैं। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायलों में राधेश्याम की हालत नाजुक होने पर कानपुर रेफर किया गया। हादसे की सूचना पाते ही एडीएम फाइनेंस विजय शंकर तिवारी, सीओ मौदहा मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया है।

अनियंत्रित कार पेड़ से टकराई, दो की मौत

आजमगढ़। जहानागंज थाना क्षेत्र के भुजही मोड़ के पास रविवार सुबह अनियंत्रित मारुति कार पेड़ से जा टकराई, जिससे कार सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर घायल चालक को अस्पताल भेजा। थानाध्यक्ष जहानगंज अतुल कुमार मिश्रा ने बताया कि रविवार को जहानागंज थाना क्षेत्र के भुजही मोड़ के पास सुबह करीब सात बजे एक मारुति कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसे के समय कार में तीन लोग सवार थे। दुर्घटना में सिद्दीकी (38), निवासी दुल्लहपुर, जनपद गाजीपुर, शशि सिंह सिंह (40), निवासी सेमौर, थाना जखनियां, जनपद गाजीपुर की मौके पर ही मौत हो गई। कार चालक तौफीक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल चालक को तत्काल जिला अस्पताल भिजवाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। वह मृतक सिद्दीकी का भाई है। बताया जा रहा है कि इन लोगों की गाजीपुर जिले के जखनियां क्षेत्र में कपड़ों की दुकान है। सभी लोग खलीलाबाद से कपड़े लेकर दुल्लहपुर जा रहे थे, तभी रास्ते में यह हादसा हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम भेजकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह, 48 हिन्दू जोड़ों ने लिए फेरे, 11 मुस्लिम जोड़ों का हुआ निकाह

फिरोजाबाद। जनपद के नगरीय निकाय नगर पंचाचत फरिहा एवं विकास खण्ड टूण्डला, नारखी के चिन्हित 59 पात्र जोड़ों के विवाह मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत रविवार को केपी सिंह मैरिज होम सिकरारी एटा रोड टूण्डला में संपन्न हुए। सामूहिक विवाह समारोह में नगर पंचायत फरिहा के 04, विकास खण्ड टूण्डला के 20, विकास खण्ड नारखी के 35 इस प्रकार कुल 59 जोड़ों उपस्थित हुए जिनमें 48 हिन्दू जोड़ों एवं 11 मुस्लिम जोड़ों के विवाह उनके धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सम्पन्न कराये गये।

कार्यक्रम में सम्मिलित हुए जोड़ों को क्रमशः 05 साड़ी ब्लाउज सहित, 05 पेटीकोट, चुनरी, पैन्ट का कपड़ा, शर्ट का कपड़ा, फेंटा, गमछा, चाँदी की पायल (एक जोड़ी), चांदी की बिछिया (एक जोड़ी), स्टील डिनर सैट, प्रेशर कुकर, कढाई, ट्रॉलीबैग, वैनिटी किट, दीवार घडी, सीलिंग फेन, कूल केज, आयरन प्रेस, डबल बेड चादर, 02 पिलो कवर, कम्बल 02, गद्दा, मैट्रेस 02, तकिया 02 नग, सिन्होरा, चूड़ी, कंगन, ड्राईफ्रूट्स, मिष्ठान आदि वैवाहिक सामग्री प्रदान की गयी। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने सरकार की तरफ से संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में अवगत कराते हुए वर-वधू को नये दाम्पत्य जीवन की शुरूआत पर आशीर्वाद दिया। संचालन प्रेमस्वरूप पारस ने किया। कार्यक्रम में शिवशंकर शर्मा विधान सभा संयोजक भाजपा, अनन्त प्रताप सिंह प्रतिनिधि जिलाध्यक्ष भाजपा, अवधेश प्रताप सिंह प्रधान संघ, राजमती जिला समाज कल्याण अधिकारी, के.एम. सिंह जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, प्रभात रंजन खण्ड विकास अधिकारी टूण्डला आदि मौजूद रहे।

श्री काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण की वर्षगांठ पर समस्त देव विग्रहों का हुआ विशेष श्रृंगार

वाराणसी। श्री काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण की चौथी वर्षगांठ पर रविवार की अलसुबह मंगलाआरती के बाद से वेद मंत्रों की गूंज के बीच धार्मिक अनुष्ठान की शुरूआत हुई। मंदिर परिसर में विराजमान समस्त देव विग्रहों का विशेष श्रृंगार एवं पूजन विधिपूर्वक संपन्न हुआ।इस अवसर पर भगवान बद्रीनारायण,लक्ष्मी नारायण,माता अन्नपूर्णा, माता पार्वती तथा श्री हनुमान जी की विधिवत आराधना की गई। मंदिर न्यास के अनुसार इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने भी बड़ी संख्या में उपस्थित होकर दर्शन-पूजन का पुण्य लाभ प्राप्त किया और काशी विश्वनाथ धाम के नवनीकरण की चतुर्थ वर्षगांठ पर आस्था एवं उत्साह के साथ सहभागिता निभाई।

श्री काशी विश्वनाथ धाम के डिप्टी कलेक्टर शंभु शरण ने बताया कि यह आयोजन सनातन परंपरा, सांस्कृतिक चेतना और आध्यात्मिक ऊर्जा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। धाम में शनिवार सुबह से ही विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक

शिवार्चनम् मंच पर भजनों की बही गंगा

सायंकाल बेला में सांस्कृतिक मंच-शिवार्चनम् में शहर और प्रदेश के कलाकारों की प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरूआत वंदे मातरम की प्रस्तुति के साथ हुई। द्वितीय प्रस्तुति बांसुरी वादन में राजेश कुमार गौतम एवं उनके साथी कलाकारों ने प्रस्तुति दी। तृतीय प्रस्तुति भजन गायन में शनि मिश्र एवं उनके सह कलाकारों की रही। चतुर्थ प्रस्तुति सरोद वादन में अंशुमान एवं उनके सह कलाकारों की रही। पंचम प्रस्तुति भजन गायन में अंशिका सिंह एवं उनके सह कलाकारों ने भक्तिमय वातावरण प्रस्तुत किया। वर्षगांठ पर धाम को भव्य रूप से सजाया गया है। परिसर में प्रकाश अलंकरण,पुष्प सज्जा तथा श्रद्धालुओं की सुगमता के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं।

गतिविधियां आरंभ हो गई। पूर्वाह्न 11 बजे श्री काशी विश्वनाथ धाम के डिप्टी कलेक्टर शंभु शरण ने भगवान विश्वेश्वर का विधिवत पूजन-अर्चन किया। जिसमें वैदिक विधि से मंत्रोच्चार के साथ भगवान विश्वनाथ की आराधना संपन्न हुई। पूजन कार्यक्रम के माध्यम से धाम के नविनीकरण कार्य की सफलता, श्रद्धालुओं की सुविधा तथा काशी की आध्यात्मिक परंपरा के संरक्षण के लिए बाबा से मंगल कामना की गई। इसके बाद मध्यान 1:30 बजे मंदिर के शंकराचार्य चौक में जयादि मंत्र एवं अप्रतिरथ मंत्र द्वारा विशेष हवन-पूजन संपन्न कराया गया। यह हवन-पूजन 11 वैदिक शास्त्रियों के सान्निध्य में विधिवत वैदिक रीति से संपन्न हुआ। हवन-पूजन के उपरांत 3 बजे मंदिर परिसर में चतुर्वेद पारायण का आयोजन भी विधि-विधानपूर्वक संपन्न हुआ।

यशस्वी जायसवाल के शतक से मुंबई ने हरियाणा को हराया

अम्बी (पुणे)। टी20 टीम में राष्ट्रीय चयनकर्ताओं द्वारा अनदेखी के बाद यशस्वी जायसवाल ने रविवार को यहां सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के सुपर लीग बी मैच में 48 गेंद में शतक जड़कर गत चैंपियन मुंबई की हरियाणा पर चार विकेट की जीत में अहम भूमिका निभाई।

सुपर लीग के अपने पहले मैच में हैदराबाद के खिलाफ एकतरफा हार के बाद यशस्वी जायसवाल (50 गेंद में 101 रन) और सरफराज खान (24 गेंद में 64 रन) की पारियों से मुंबई ने हरियाणा के 235 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 17.3 ओवर में छह विकेट पर 238 रन बनाकर जीत दर्ज की। यशस्वी जायसवाल और सरफराज ने सिर्फ 6.1 ओवर में 88 रन जोड़कर मुंबई की फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीद जीवंत रखी। मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान यशस्वी जायसवाल ने मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का 50 हजार रुपये का चैक लेने के लिए अपने साथ सरफराज को भी बुलाया। इससे पहले हरियाणा के कप्तान अंकित कुमार (42 गेंद में 89 रन) और प्रतिभावान ऑलराउंडर निशांत सिंधू (38 गेंद में 63 रन) ने सिर्फ 8.1 ओवर में 110 रन जोड़कर टीम को 20 ओवर में तीन विकेट पर 234 रन तक पहुंचाया। मुंबई के लिए अनुभवी अजिंक्य रहाणे ने 10 गेंद में 21 रन बनाए। हरियाणा के तेज गेंदबाजों ने 125 से 130 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से गेंदबाजी की जिससे मुंबई के बल्लेबाजों के लिए सपाट पिच पर रन बनाना आसान हो गया। जायसवाल ने पुल और रैंप शॉट खेले।

उन्होंने अपनी पारी में 16 चौके मारे। सरफराज ने भी सिर्फ 16 गेंद में अर्धशतक के साथ आईपीएल नीलामी के लिए अपना दावा मजबूत किया। राष्ट्रीय टीम में शामिल शुभमन गिल की शीर्ष क्रम में फॉर्म काफी प्रभावशाली नहीं है और ऐसे में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से पहले चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर और मुख्य कोच गौतम गंभीर की नजरें यशस्वी जायसवाल पर रहेंगी।

ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन में IPL गेंदबाजी के लिए उपलब्ध रहेंगे

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन ने रविवार को स्पष्ट किया है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में गेंदबाजी के लिए उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने आईपीएल नीलामी में खुद को बल्लेबाज के तौर पर लिस्ट किए जाने का कारण अपने मैनेजर की गलती को बताया है। ग्रीन ने आईपीएल 2026 के मिनी ऑक्शन के लिए खुद को एक स्पेशलिस्ट बल्लेबाज के रूप में रजिस्टर किया है, जबकि वह एक फास्ट बॉलिंग ऑलराउंडर हैं।

मिनी ऑक्शन 16 दिसंबर को संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी में होगा। 'ईएसपीएनक्रिकइंफो' के अनुसार रविवार सुबह एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के प्रशिक्षण सत्र से पहले ग्रीन ने कहा, ॠमैं गेंदबाजी करने के लिए तैयार हूं। मुझे नहीं पता कि मेरे मैनेजर को यह सुनकर अच्छा लगेगा या नहीं, लेकिन उनकी तरफ से कुछ गलती हो गई। उनका मतलब 'बल्लेबाज' कहना नहीं था। मुझे लगता है कि उन्होंने गलती से गलत बॉक्स चुन लिया। यह सब जिस तरह से हुआ वह काफी मजेदार है, लेकिन वास्तव में गलती उनकी तरफ से ही हुई थी। लंबे कद के 26 वर्षीय ऑलराउंडर ग्रीन ने 2023 में मुंबई इंडियंस और 2024 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का प्रतिनिधित्व किया था। वह नीलामी में हिस्सा लेने वाले सबसे बड़े नामों में से हैं और उनके लिए मोटी बोली लगने की उम्मीद है। ग्रीन का आधार मूल्य दो करोड़ रुपये है। पीठ की सर्जरी से उबरने के कारण ग्रीन 2025 सत्र से बाहर रहे थे।

उन्होंने जून में एक बल्लेबाज के तौर पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की थी। हालांकि, इसके बाद उन्हें गेंदबाजी करने की इजाजत मिल गई और वह ऑस्ट्रेलिया तथा इंग्लैंड के बीच चल रही एशेज सीरीज में गेंदबाजी कर रहे हैं।

ला लीगा: राफिन्हा के दो गोल से बार्सीलोना ने ओसासुना को हराया

बार्सीलोना। राफिन्हा के दो गोल से बार्सीलोना ने शनिवार को यहां ला लीगा फुटबॉल टूर्नामेंट में ओसासुना को 2-0 से हराकर अंक तालिका के शीर्ष पर अपनी बढ़त मजबूत कर ली।

ब्राजील के फारवर्ड राफिन्हा ने 70वें मिनट में बार्सीलोना को बढ़त दिलाई और फिर 84वें मिनट में एक और गोल दागकर टीम की 2-0 से जीत सुनिश्चित की। लीग में लगातार सातवीं जीत के साथ गत चैंपियन बार्सीलोना ने दूसरे स्थान पर मौजूद रीयाल मैड्रिड पर सात अंक की बढ़त बना ली है। मैड्रिड को रविवार को एल्वेस से भिड़ना है। मैड्रिड ने सभी प्रतियोगिताओं में अपने पिछले आठ मैच में सिर्फ दो में जीत दर्ज की है जिससे टीम दबाव में है। एटलेटिको मैड्रिड ने वेलेन्सिया को 2-1 से हराया। चौथे स्थान पर मौजूद एटलेटिको बार्सीलोना से नौ अंक पीछे है। अन्य मुकाबलों में एस्पेनयोल ने गेटाफे को 1-0 से हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की जबकि मालोर्का ने एल्शे को 3-1 से शिकस्त दी।

लीवरपूल ने ब्राइटन को हराया, आर्सेनल भी जीता

लीवरपूल। लीवरपूल ने शनिवार को यहां इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में ब्राइटन को 2-0 से हरा दिया। इस जीत से लीवरपूल ने सभी प्रतियोगिताओं में अपने अजेय क्रम को पांच मैच तक पहुंचाया। गत चैंपियन टीम अब अंक तालिका में छठे स्थान पर है। इस मैच के साथ लीवरपूल के मोहम्मद सालाह ने रिहैबिलिटेशन पूरा करने के बाद प्रतिस्पर्धी फुटबॉल में वापसी भी की। आर्सेनल ने अंतिम स्थान पर चल रहे वोल्वरहैम्पटन को दो आत्मघाती गोल की बदौलत 2-1 से हराया जबकि चेल्सी ने एवर्टन को 2-0 से शिकस्त दी। बर्नले को फुलहम के खिलाफ 2-3 से हार का सामना करना पड़ा जो टीम की लगातार सातवीं हार है।

रसेल के नाबाद अर्धशतक के बावजूद हारा नाइट राइडर्स

अबुधाबी। आंद्रे रसेल की 33 गेंद में नाबाद 53 रन की पारी के बावजूद अबुधाबी नाइट राइडर्स को दुबई कैपिटल्स के खिलाफ आईएलटी20 के करीबी मैच में नौ रन से हार झेलनी पड़ी।

दुबई कैपिटल्स ने अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी शायन जहांगीर की 54 गेंद में 99 रन की पारी की बदौलत पांच विकेट पर 196 रन बनाए और फिर नाइट राइडर्स को आठ विकेट पर 187 रन पर रोक दिया। रसेल ने अपनी पारी में चार छक्के और इतने ही चौके लगाए। पहले बल्लेबाजी करते हुए कैपिटल्स को जहांगीर और जोर्डन कॉक्स (30 गेंद में 29 रन) ने 115 रन जोड़कर शुरुआती झटकों से उबारा। जहांगीर रन आउट होने के कारण शतक से चूक गए। उन्होंने अपनी पारी में 10 चौके और पांच छक्के लगाए। रसेल की विस्फोटक पारी ने नाइट राइडर्स की जीत की उम्मीद जगाई लेकिन आखिरकार कैपिटल्स ने धैर्य बरकरार रखते हुए जीत दर्ज की।

एडिलेड टेस्ट से पहले ब्रेंडन मैकुलम ने इंग्लैंड टीम की वापसी पर जताया भरोसा

एडिलेड (ऑस्ट्रेलिया)। एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया से 2-0 से पीछे चल रही इंग्लैंड टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम को पूरा भरोसा है कि उनकी टीम सीरीज में शानदार वापसी कर सकती है। उन्होंने कहा है कि अब तक इस सीरीज में हमारे बल्लेबाज पर्याप्त रन नहीं बना पाए हैं, लेकिन ऐसा कभी-कभी हो सकता है। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की एशेज सीरीज का तीसरा टेस्ट मैच 17 दिसंबर से एडिलेड ओवल में खेला जाएगा।

मैच से पहले ब्रेंडन मैकुलम अपने बल्लेबाजों के साथ मजबूती से खड़े हैं और उन्होंने इसी लाइनअप को बरकरार रखने का संकेत दिया है। आईसीसी के अनुसार मैकुलम ने रविवार को एडिलेड में प्रशिक्षण से पहले कहा कि हमारे दृष्टिकोण से हमारे पास कुछ समय से शीर्ष सात खिलाड़ी हैं और हम इसके साथ काफी हद तक सफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये परिस्थितियां हमारे बल्लेबाजों की शैली के अनुकूल होनी चाहिए। हम जानते हैं कि इस सीरीज में अब तक हमने पर्याप्त रन नहीं बनाए हैं। हम कई बार ऐसी स्थिति में थे जहां हम रन बना सकते थे, लेकिन हमने कुछ गलतियां कर दीं और ऐसा कभी-कभी हो सकता है।

इस सीरीज को जीतने के लिए हमें पिछले कुछ वर्षों में जो चीजें सफल रही हैं, उन्हें छोड़ने की जरूरत नहीं है। इंग्लैंड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा कि जब हम मैदान में उतरें, तो हमें अपनी क्षमताओं पर पूरा भरोसा हो। बिना सोचे-समझे फैसले लेना और तयशुदा बल्लेबाजी लाइन-अप में फेरबदल करना हमारा तरीका नहीं है। मेहमान टीम को दोनों टेस्ट मैचों में आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। मब्रेंडन मैकुलम ने कहा कि जब हम यहां आए थे, तब हमें पता था कि सीरीज जीतने के लिए हमें तीन टेस्ट मैच जीतने होंगे।

2-0 से पीछे होने से हमारे लिए मुश्किलें बढ़ गई हैं, लेकिन इससे ड्रेसिंग रूम में मौजूद आत्मविश्वास पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप अंडर-19 मैच में हाथ नहीं मिलाने की नीति बरकरार रखी

दुबई। भारत ने रविवार को यहां एशिया कप अंडर-19 क्रिकेट मैच के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ हाथ नहीं मिलाने की नीति बरकरार रखी जिसमें कप्तान आयुष म्हात्रे की टीम ने 90 रन से जीत दर्ज की।

म्हात्रे और पाकिस्तान के उनके समकक्ष फरहान यूसुफ ने यहां आईसीसी अकादमी मैदान में टॉस के दौरान एक-दूसरे की अनदेखी की। जीत के लिए 241 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम 41.2 ओवर में 150 रन पर सिमट गई। मैच खत्म होने के बाद भी दोनों टीमों ने हाथ नहीं मिलाए। भारतीय खिलाड़ियों ने अंपायरों से हाथ मिलाया और मैदान से चले गए। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया और भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 46.1 ओवर में 240 रन पर सिमट गई। भारत और पाकिस्तान दोनों ने टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की।

भारत ने टूर्नामेंट के पहले मैच में शुक्रवार को यूएई को 234 रन से हराया था जिसमें वैभव सूर्यवंशी ने 95 गेंद में 171 रन की पारी खेली थी। पाकिस्तान ने उसी दिन मलेशिया को 297 रन से शिकस्त दी थी।

शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में आठ का बाजार पूंजीकरण 79,129 करोड़ रुपये घटा

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले सप्ताह जारी कमजोरी के बीच शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में आठ का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 79,129.21 करोड़ रुपये घट गया। इस दौरान बजाज फाइनेंस और आईसीआईसीआई बैंक को सबसे बड़ा झटका लगा। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 444.71 अंक या 0.51 प्रतिशत गिर गया। शीर्ष 10 कंपनियों में केवल रिलायंस इंडस्ट्रीज और लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के बाजार मूल्य में बढ़त हुई, जबकि एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मूल्यांकन में गिरावट आई। बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 19,289.7 करोड़ रुपये घटकर 6,33,106.69 करोड़ रुपये रह गया। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 18,516.31 करोड़ रुपये घटकर 9,76,668.15 करोड़ रुपये पर आ गया। दूसरी तरफ रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 20,434.03 करोड़ रुपये बढ़कर 21,05,652.74 करोड़ रुपये हो गया। लार्सन एंड टुब्रो का मूल्यांकन 4,910.82 करोड़ रुपये बढ़ा। रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है।

दिसंबर में एफपीआई ने इक्विटी से 17,955 करोड़ रुपये निकाले, 2025 में कुल निकासी 1.6 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली। विदेशी निवेशकों ने इस महीने के पहले दो हफ्तों में भारतीय शेयर बाजार से 17,955 करोड़ रुपये निकाले हैं, जिससे 2025 में अब तक कुल निकासी बढ़कर 1.6 लाख करोड़ रुपये हो गई है। यह भारी निकासी नवंबर में 3,765 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी के बाद हुई है, जिससे घरेलू शेयर बाजारों पर दबाव बना हुआ है।

अक्टूबर में थोड़े समय के लिए यह रुझान थमा था, जब विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने 14,610 करोड़ रुपये का निवेश किया और तीन महीनों से जारी भारी बिकवाली का सिलसिला टूटा था। इससे पहले एफपीआई ने सितंबर में 23,885 करोड़ रुपये, अगस्त में 34,990 करोड़ रुपये और जुलाई में 17,700 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार एक से 12 दिसंबर के बीच एफपीआई ने भारतीय शेयरों से शुद्ध रूप से 17,955 करोड़ रुपये निकाले। बाजार विशेषज्ञों ने इस लगातार निकासी के पीछे कई कारण बताए हैं, जिनमें रुपये में तेज गिरावट और भारतीय शेयरों का अपेक्षाकृत महंगा मूल्यांकन शामिल है।

मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया में प्रधान प्रबंधक (शोध) हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि अमेरिका में ऊंची ब्याज दरें, सख्त नकदी स्थिति और सुरक्षित या अधिक प्रतिफल देने वाली परिसंपत्तियों की ओर निवेशकों के झुकाव के चलते भारतीय बाजारों पर दबाव बना हुआ है।

भू-राजनीतिक जोखिम घटाने के लिए कच्चे तेल के स्रोतों में विविधता जरूरी: संसदीय समिति

नई दिल्ली। एक संसदीय समिति ने कच्चे तेल के आयात पर भारत की भारी निर्भरता और बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिमों को देश के लिए बड़ी चुनौतियां बताते हुए सरकार से आपूर्ति स्रोतों में विविधता बढ़ाने और जोखिम प्रबंधन तंत्र को मजबूत करने का आग्रह किया है। पिछले सप्ताह संसद में पेश की गई अपनी रिपोर्ट में लोक उपक्रम समिति ने कहा कि भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 89 प्रतिशत आयात करता है। इस वजह से देश संघर्ष, प्रतिबंध, तेल उत्पादक देशों में नागरिक अशांति और स्वेज नहर तथा लाल सागर जैसे प्रमुख पोत परिवहन मार्गों में व्यवधान जैसी वैश्विक घटनाओं के प्रति संवेदनशील हो जाता है।

रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में तनाव जैसी हालिया घटनाओं ने भारत की ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला की नाजुकता को उजागर किया है। समिति ने पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय और सरकारी तेल कंपनियों से कच्चे तेल की आपूर्ति के स्रोतों को भौगोलिक और अनुबंधीय दोनों स्तरों पर विविध बनाने की सिफारिश की है। समिति ने रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार को मजबूत करने और वैकल्पिक आयात मार्ग विकसित करने पर भी जोर दिया।

संसदीय समिति ने की भूमिगत कोयला खनन परियोजनाओं के लिए मंजूरी प्रक्रिया आसान करने की सिफारिश

नई दिल्ली। एक संसदीय समिति ने भूमिगत कोयला खनन की अनुमति के लिए नीति को सरल बनाने और मानकीकृत प्रोटोकॉल अपनाने का सुझाव दिया है। समिति का कहना है कि बड़ी खुली कोयला खदानों जैसी जटिल मंजूरी प्रक्रिया लागू किए जाने से कम पर्यावरणीय प्रभाव वाली परियोजनाओं में भी देरी होती है। सरकार ने 2030 तक भूमिगत कोयला खदानों से 10 करोड़ टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य तय किया है। कोयला, खान और इस्पात संबंधी स्थायी समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भूमिगत कोयला खनन से सतह पर होने वाला व्यवधान न्यूनतम रहता है, जिससे भूमि, वन और बुनियादी ढांचे का संरक्षण होता है। इसके साथ ही भूमि पुनर्वास की लागत और अप्रत्यक्ष ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में भी कमी आती है। यह पद्धति उच्च गुणवत्ता वाले गहरे कोयला भंडार तक पहुंच की अनुमति देती है और मौसम की परवाह किए बिना पूरे वर्ष संचालन सुनिश्चित करती है। रिपोर्ट में कहा गया, "कम पर्यावरणीय प्रभाव के बावजूद, कई भूमिगत परियोजनाओं को बड़ी खुली कोयला खदानों जैसी ही मंजूरी और दस्तावेजी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है, जिससे परियोजनाओं में देरी होती है। इसलिए समिति ने भारत में भूमिगत कोयला खनन प्रथाओं के लिए नीति को सरल बनाने और मानकीकृत प्रोटोकॉल की आवश्यकता पर जोर दिया है।" इसके अलावा, समिति ने खुले में खनन के लिए भी एकल-खिड़की मंजूरी प्रणाली के तहत मानक संदर्भ शर्तें (टीओआर) और मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) लागू करने की सिफारिश की है।

बजट 2026-27: निवेश-प्रेरित वृद्धि के लिए सीआईआई ने सुधारों का प्रस्ताव रखा

नई दिल्ली। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने आगामी आम बजट 2026-27 के लिए व्यापक सुधारों का प्रस्ताव रखा है, जिसका उद्देश्य सार्वजनिक, निजी और विदेशी निवेशों को शामिल करते हुए सतत निवेश वृद्धि को बढ़ावा देना और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में भारत की गति को बनाए रखना है।

सीआईआई ने सुझाव दिया कि वित्त वर्ष 2026-27 में केंद्रीय पूंजीगत व्यय में 12 प्रतिशत और राज्यों को दी जाने वाली पूंजीगत व्यय सहायता में 10 प्रतिशत वृद्धि की जाए, इसके अलावा 2026-32 के लिए 150 लाख करोड़ रुपये की राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (एनआईपी) 2.0 शुरू की जाए, जिन कंपनियों ने महत्वपूर्ण नए निवेश, उत्पादन या कर योगदान के महत्वपूर्ण लक्ष्य हासिल किए हैं, उन्हें अतिरिक्त कर रियायतें या अनुपालन में ढील दी जाए। इसमें यह भी कहा गया है कि त्वरित मूल्यह्रास लाभ को पुनः लागू किया जाए ताकि नए पूंजीगत व्यय और तकनीकी उन्नयन को और अधिक प्रोत्साहन दिया जा सके, विशेषकर लघु, मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और विनिर्माण उद्योगों के लिए, बशर्ते कि यह उपाय ऐसा हो कि आधुनिकीकरण को बढ़ावा मिले लेकिन न्यूनतम वैकल्पिक कर की देयता उत्पन्न न हो। इसके अलावा, सीआईआई ने राष्ट्रीय निवेश और अवसंरचना निधि (एनआईआईएफ) को मजबूत करने का सुझाव दिया और इसके लिए एक संप्रभु निवेश रणनीति परिषद (एसआईएफसी) के गठन की भी सिफारिश की, ताकि निवेश राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप हो सके।

सीआईआई ने यह भी कहा कि आर्थिक चक्र आधारित सार्वजनिक ऋण ढांचे को अपनाकर वित्तीय स्थिरता को मजबूत किया जा सकता है। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि आगामी बजट 2026-27 को स्थिरीकरण और वृद्धि के दोनों भूमिकाओं को निभाना होगा और निवेश को बढ़ावा देना इसके सबसे महत्वपूर्ण घटकों में से एक होगा।

बीएमडब्ल्यू 'मिनी' ब्रांड को और मजबूत करेगी, नए मॉडल लाने, बिक्री बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली। जर्मनी की लग्जरी कार विनिर्माता बीएमडब्ल्यू अगले साल भारत में अपने 'मिनी' पोर्टफोलियो का विस्तार करने की योजना बना रही है, ताकि मेट्रो शहरों से बाहर बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके। कंपनी के अध्यक्ष और सीईओ हरदीप सिंह बरार ने यह जानकारी दी। कंपनी के पोर्टफोलियो में फिलहाल मिनी कूपर, मिनी कंट्रीमैन जेसीडब्ल्यू और मिनी कन्वर्टिबल शामिल हैं। ब्रांड को बड़े शहरों से आगे स्वीकृति मिलने के साथ कंपनी छोटे शहरों और कस्बों में अपने बिक्री नेटवर्क का विस्तार करने पर भी ध्यान दे रही है। बरार ने कहा कि हम अगले साल मिनी पोर्टफोलियो के तहत एक-दो और उत्पाद लाने पर विचार कर रहे हैं। बीएमडब्ल्यू अगले साल अपने बिक्री नेटवर्क का और विस्तार करेगी, जिसमें जयपुर, लखनऊ और रांची जैसे स्थान शामिल होंगे। साथ ही ऐसे छोटे शहर भी होंगे जहां कंपनी की अभी कोई मौजूदगी नहीं है। उन्होंने कहा कि मिनी के लिए हम फिलहाल करीब नौ शहरों में मौजूद हैं। हम अगले साल शहरों की संख्या दोगुनी करना चाहते हैं, ताकि मेट्रो शहरों से बाहर भी हमारी मौजूदगी हो। छोटे बाजारों से भी अब धीरे-धीरे काफी मांग आने लगी है। बरार ने कहा कि स्थानीय स्तर पर मौजूदगी से बिक्री के बाद की सेवाओं को लेकर भी ग्राहकों का भरोसा बढ़ता है।

राजस्थान में पारेषण बाधाओं के कारण लगभग चार गीगावॉट सौर क्षमता प्रभावित

नई दिल्ली। राजस्थान में अपर्याप्त पारेषण बुनियादी ढांचे के कारण लगभग 4,300 मेगावॉट सौर ऊर्जा क्षमता दिन के समय पूरी तरह कटौती का सामना कर रही है। उद्योग सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इससे करीब 20,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं जोखिम में पड़ गई हैं। अदाणी, रीन्यू, सेरेंटिका, जूनिपर, जेलेस्ट्रा, एसीएमई और एम्प एनर्जी सहित कई कंपनियों की कुल 26 सौर परियोजनाएं फिलहाल अस्थायी सामान्य नेटवर्क पहुंच (टी-जीएनए) व्यवस्था के तहत बिजली की आपूर्ति कर रही हैं, क्योंकि उनकी संबंधित पारेषण प्रणालियां अभी चालू नहीं हुई हैं। सूत्रों के मुताबिक उपलब्ध पारेषण मार्जिन के खत्म हो जाने के कारण इन संयंत्रों से दिन के समय बिजली उत्पादन पूरी तरह रोक दिया गया है। उत्तरी क्षेत्र लोड डिस्पैच सेंटर (एनआरएलडीसी) के आंकड़ों के अनुसार राजस्थान में लगभग 23 गीगावॉट की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता चालू है, जबकि पारेषण क्षमता करीब 18.9 गीगावॉट है। यह पूरी पारेषण क्षमता दीर्घकालिक सामान्य नेटवर्क पहुंच (जीएनए) वाली परियोजनाओं को आवंटित की जा चुकी है, जिससे टी-जीएनए के तहत संचालित चार गीगावॉट से अधिक क्षमता के लिए बिजली निकासी की कोई गुंजाइश नहीं बची है। इन कंपनियों ने चेतावनी दी है कि लंबे समय तक यह स्थिति बनी रहने से परियोजनाओं की व्यवहार्यता और कर्ज की अदायगी पर गंभीर असर पड़ सकता है। उद्योग प्रतिनिधियों ने सरकार से अल्पकालिक राहत उपायों पर विचार करने का आग्रह किया है, जिनमें टी-जीएनए के तहत बिजली निकासी सुधारने के लिए विशेष संरक्षण योजना (एसपीएस) लागू करना और कम उपयोग अवधि के दौरान अप्रयुक्त जीएनए मार्जिन को टी-जीएनए परियोजनाओं को आवंटित करना शामिल है।

एक्टर अर्जुन रामपाल ने गर्लफ्रेंड से की सगाई

फिल्म 'धुरंधर' की जबरदस्त सफलता के बीच अभिनेता अर्जुन रामपाल की निजी जिंदगी से जुड़ी एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। लंबे समय से साथ रह रहे अर्जुन और उनकी मॉडल गर्लफ्रेंड गैब्रिएला डेमेट्रिएड्स ने अपने रिश्ते को आधिकारिक रूप दे दिया है। करीब छह साल तक डेटिंग करने के बाद अर्जुन ने खुद से 15 साल छोटी गैब्रिएला से सगाई कर ली है। इस बात का खुलासा खुद अर्जुन ने हाल ही में रिया चक्रवर्ती के पॉडकास्ट में किया। रिया चक्रवर्ती ने इंस्टाग्राम पर अपने पॉडकास्ट 'चैप्टर 2' का ट्रेलर शेयर किया, जिसमें अर्जुन और गैब्रिएला अपनी लव स्टोरी, रिश्ते और परिवार को लेकर खुलकर बातचीत करते नजर आए। ट्रेलर में गैब्रिएला कहती हैं, ₹हमने अभी शादी नहीं की है, लेकिन कौन जानता है?₹ इसी दौरान अर्जुन सभी को चौंकाते हुए कहते हैं, ₹हमने सगाई कर ली है और इसका खुलासा हमने आपके शो में किया है।

प्यार पर गैब्रिएला की सोच

प्यार को लेकर बात करते हुए गैब्रिएला ने कहा कि अक्सर रिश्तों में प्यार शर्तों के साथ जुड़ा होता है, लेकिन माता-पिता बनने के बाद यह पूरी तरह निःस्वार्थ हो जाता है। उनके मुताबिक, बच्चों के साथ प्यार बिना किसी अपेक्षा के होता है और यही असली प्रेम की पहचान है।

आकर्षण से आगे बढ़ा रिश्ता

गैब्रिएला ने साफ किया कि उनका रिश्ता सिर्फ बाहरी आकर्षण तक सीमित नहीं है। वहीं अर्जुन ने भी मुस्कुराते हुए माना कि शुरुआत में वह गैब्रिएला की खूबसूरती से आकर्षित हुए थे, लेकिन समय के साथ इस रिश्ते में समझ, गहराई और भावनात्मक जुड़ाव आ गया।

अर्जुन रामपाल का परिवार

अर्जुन और साउथ अफ्रीका की मॉडल व फैशन डिजाइनर गैब्रिएला साल 2018 से साथ हैं। उनके दो बेटे हैं, एरिक (जन्म 2019) और आरव (जन्म 2023)। इससे पहले अर्जुन की शादी सुपरमॉडल मेहर जेसिया से हुई थी, जिनसे उनकी दो बेटियां माहिका और मायरा हैं। साल 2018 में अर्जुन और मेहर ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला लिया था।

बॉक्स ऑफिस पर 'धुरंधर' का दबदबा कायम

रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। दूसरे शनिवार को फिल्म ने ऐसी जबरदस्त कमाई की है कि इसने न सिर्फ विक्की कौशल की 'छावा' के दूसरे शनिवार के आंकड़े को पीछे छोड़ दिया, बल्कि अल्लू अर्जुन की ब्लॉकबस्टर 'पुष्पा 2' का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। भले ही फिल्म की ओपनिंग बहुत बड़ी न रही हो, लेकिन जिस रफ्तार से इसकी कमाई बढ़ रही है, उससे साफ है कि साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म 'छावा' का नंबर-वन ताज अब खतरे में पड़ गया है। आदित्य धर के निर्देशन में बनी 'धुरंधर' ने पहले हफ्ते में 207.25 करोड़ रुपये का शानदार कारोबार किया था। आठवें दिन फिल्म ने 32.5 करोड़ रुपये कमाए, जो 'छावा' के आठवें दिन की 23.5 करोड़ की कमाई से कहीं ज्यादा थी। वहीं नौवें दिन यानी दूसरे शनिवार को फिल्म ने 53 करोड़ रुपये की ऐतिहासिक कमाई करते हुए भारत में अपना कुल कलेक्शन 292.75 करोड़ रुपये तक पहुंचा दिया है। इस तरह फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ क्लब के बेहद करीब पहुंच चुकी है, जबकि वर्ल्डवाइड कलेक्शन 400 करोड़ की ओर तेजी से बढ़ रहा है। रणवीर सिंह के साथ-साथ अक्षय खन्ना, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल और सारा अर्जुन जैसे कलाकारों से सजी इस फिल्म का बजट करीब 280 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। 'धुरंधर' अब निर्देशक आदित्य धर की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है, जिसने उनकी सुपरहिट 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' के 244.14 करोड़ के लाइफटाइम कलेक्शन को भी पीछे छोड़ दिया है। इसी के साथ फिल्म के सीक्वल 'धुरंधर 2' का ऐलान भी हो चुका है। वहीं दूसरी ओर, कपिल शर्मा की 'किस किसको प्यार करूं 2' 12 दिसंबर को रिलीज हुई थी। दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया के बीच फिल्म ने पहले दिन 1.85 करोड़ और दूसरे दिन 2.50 करोड़ रुपये कमाए हैं। अब तक यह फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कुल 4.35 करोड़ रुपये का कारोबार कर चुकी है।

'रामायण' यूनिवर्स में सनी देओल की एंट्री, हनुमान अवतार से 'एवेंजर्स' को चुनौती

नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रहा 'रामायण' यूनिवर्स अब और भी विशाल होने जा रहा है। इसी कड़ी में एक बड़ी और दिलचस्प खबर सामने आई है। सनी देओल भगवान हनुमान पर केंद्रित एक अलग म्यूजिकल फिल्म में नजर आने वाले हैं, जिसमें उनका अब तक का सबसे अनदेखा और दमदार अवतार देखने को मिलेगा। यह फिल्म 'रामायण ब्रह्मांड' में एक नया अध्याय जोड़ने वाली है, जो भव्यता, भावनाओं और संगीत के जरिए दर्शकों को एक बिल्कुल नया सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है। रिपोर्ट के मुताबिक 'रामायण' यूनिवर्स की यह अगली फिल्म पूरी तरह से हनुमान पर केंद्रित होगी और इसमें सनी देओल मुख्य भूमिका निभाएंगे। यह सिर्फ पौराणिक कहानी तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसमें गाने और म्यूजिक का अहम रोल होगा। दमदार एक्शन, भावनात्मक रोमांस और म्यूजिकल एलिमेंट्स से सजी यह फिल्म 'रामायण' यूनिवर्स की दूसरी बड़ी फिल्म मानी जा रही है। हनुमान के किरदार में सनी का यह रूप उनके करियर के लिए भी नया और प्रभावशाली साबित हो सकता है। बताया जा रहा है कि जब निर्माता नमित मल्होत्रा और निर्देशक नितेश तिवारी की टीम ने हनुमान से जुड़े शुरुआती सीन और स्क्रिप्ट पर काम किया, तो उन्हें महसूस हुआ कि यह किरदार इतना ताकतवर है कि इसे एक अलग फिल्म मिलनी चाहिए। इस रोल के लिए सनी देओल का नाम सबसे ऊपर रहा, क्योंकि उनके व्यक्तित्व, आवाज और स्क्रीन प्रेजेंस में हनुमान जैसी शक्ति और प्रभाव दिखता है। चूंकि सनी पहले से ही 'रामायण' यूनिवर्स का हिस्सा हैं, इसलिए यह भूमिका उनके लिए बिल्कुल फिट मानी गई।

विदेश

संक्षिप्त खबरें

दक्षिण अफ्रीका से 16 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को निर्वासित किया जाएगा

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका शुक्रवार को फर्जी वीजा के साथ देश में आए 16 बांग्लादेशी नागरिकों को निर्वासित करेगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ये बांग्लादेशी नागरिक 'इथियोपियन एयरलाइंस' की उड़ान से ओआर टैम्बो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे थे। बीएमए (सीमा प्रबंधन प्राधिकरण) की कार्यवाहक आयुक्त जेन थुपाना ने पुष्टि की कि यह मानव तस्करी, अनियमित प्रवासन और अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध से निपटने के लिए किए जा रहे प्रयासों के तहत उठाया जाने वाला कदम है। बीएमए द्वारा यात्रियों के विवरण का विश्लेषण किए जाने के बाद उन्हें रोका गया जिसमें उनकी गतिविधियों को संदिग्ध पाया गया था। प्रारंभिक जांच में मानव तस्करी गिरोहों द्वारा आमतौर पर इस्तेमाल की जाने वाली कार्यप्रणाली का पता चला, जिसमें व्यक्ति दक्षिण अफ्रीका से होकर पड़ोसी देशों में जाने का प्रयास करते हैं और बाद में दक्षिण अफ्रीका में फिर से प्रवेश करते हैं। बांग्लादेश के तीनों पुरुष नागरिकों को फर्जी वीजा के साथ पकड़ा गया। कुछ लोग पासपोर्ट जांच क्षेत्र में दक्षिण अफ्रीकी यात्रियों के बीच घुलने की कोशिश कर रहे थे जिससे प्राधिकारियों को उन पर संदेह हुआ। इन व्यक्तियों को कतार से अलग कर दिया गया और आगे की जांच के लिए बीएमए सीमा कानून प्रवर्तन कार्यालय को सौंप दिया गया। उनके दस्तावेज फर्जी पाए गए। थुपाना ने कहा कि अवैध प्रवासियों को लाने वाली विमानन कंपनी पर प्रत्येक प्रवासी के लिए 15-15 हजार रैंड का जुर्माना लगाया जाएगा।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के टैंक जिले में कर्फ्यू लगाया गया

पेशावर (खैबर पख्तूनख्वा) पाकिस्तान। पाकिस्तान के अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा के टैंक जिले में रविार सुबह छह बजे कर्फ्यू लगा दिया गया। यह शाम छह बजे तक प्रभावी रहेगा। जिला प्रशासन ने अधिसूचना जारी कर मीडिया को यह जानकारी दी। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अधिसूचना में कहा गया है कि कर्फ्यू की अवधि में टैंक जिले के जंडोला सब डिवीजन में बाजार बंद रहेंगे। सभी तरह की आवाजाही पर प्रतिबंधित रहेगी। कोक किला-खरगी हाइवे भी यातायात के लिए बंद रहेगा। आपात स्थिति में पुलिस या सुरक्षा बलों की इजाजत से और पहचान पत्र और दस्तावेज जमा करके प्रभावित रास्तों पर यात्रा की जा सकती है। अधिसूचना में सलाह दी गई है कि सुरक्षा बलों को देखकर गाड़ी 50 मीटर पहले रोक देनी चाहिए और सभी लोगों को नीचे उतर जाना चाहिए। उल्लंघन करने पर होने वाली कार्रवाई के लिए संबंधित व्यक्ति जिम्मेदार होगा।

दक्षिण अफ्रीका में चार मंजिला मंदिर गिरने से चार लोगों की मौत

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका स्थित भारतीय कस्बे रेडक्लिफ में चार मंजिला अहोबिलम मंदिर के निर्माण स्थल पर कई टन कंक्रीट गिरने से मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। दक्षिण अफ्रीका की प्रतिक्रिया इकाई के प्रवक्ता प्रेम बलराम ने स्थानीय मीडिया को बताया कि बचाव अभियान दो दिन से जारी है और बचावकर्मियों को एक अन्य शव होने का पता चला है लेकिन उन्हें खराब मौसम के कारण शनिवार दोपहर अभियान रोकना पड़ा। उन्होंने कहा, ''इस समय यह पुष्टि नहीं की जा सकती कि मलबे के नीचे और भी लोग फंसे हुए हैं या नहीं।'' मृतकों में से एक की पहचान विकी जयराज पांडे (52) के रूप में हुई है जो दो साल पहले मंदिर की स्थापना के बाद से इसमें सेवाएं दे रहे थे। पांडे

मंदिर के कार्यकारी सदस्य और निर्माण परियोजना के प्रबंधक थे। मंदिर से संबद्ध धर्मार्थ संस्था 'फूड फॉर लव' के निदेशक सनवीर महाराज ने पुष्टि की कि एथेक्विनी (पूर्व में डरबन) के उत्तर में एक पहाड़ी पर स्थित मंदिर के ढहने में मारे गए लोगों में पांडे भी शामिल थे। ईथेक्विनी (पूर्व में डरबन) की नगरपालिका ने कहा कि प्रारंभिक रिपोर्ट से पुष्टि हुई है कि मंदिर के निर्माण के लिए कोई भवन योजना स्वीकृत नहीं की गई है यानी यह निर्माण कार्य अवैध था।

अहोबिलम मंदिर के नाम से जाना जाने वाला यह मंदिर एक गुफा की तरह बनाया गया है जिसमें वहां मौजूद पत्थरों के अलावा भारत से लाए पत्थरों का उपयोग किया जा रहा था। मंदिर का निर्माण करा रहे परिवार ने बताया कि निर्माण कार्य लगभग दो साल पहले शुरू हुआ था और इसमें भगवान नरसिंहदेव की दुनिया की सबसे बड़ी मूर्ति स्थापित किए जाने का कार्यक्रम था।

बांग्लादेश में फिर से अशांति फैलने के बाद निर्वाचन आयोग ने अतिरिक्त सुरक्षा की मांग की

ढाका। बांग्लादेश में बंदूकधारियों द्वारा आगामी संसदीय चुनाव के एक उम्मीदवार और पिछले साल हुए हिंसक प्रदर्शनों के अग्रणी नेता को गोली मारे जाने के बाद निर्वाचन आयोग (ईसी) ने अपने प्रमुख, अन्य आयुक्तों और अधिकारियों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा की मांग की है। इस हमले के बाद बांग्लादेश में फिर से अशांति फैल गई है। सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस ने शनिवार देर रात कहा, ''निर्वाचन आयोग ने पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) को पत्र लिखकर मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी), निर्वाचन आयुक्तों (ईसी) और निर्वाचन आयोग सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था करने का आग्रह किया है।'' निर्वाचन आयोग ने 13वें राष्ट्रीय चुनाव से पहले अपने जमीनी स्तर के कार्यालयों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा की मांग की है क्योंकि बृहस्पतिवार को आगामी चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद दक्षिण-पूर्वी लक्ष्मीपुर और दक्षिण-पश्चिमी पिरोजपुर में स्थित दो कार्यालयों पर अज्ञात बदमाशों ने हमला कर दिया था। आयोग ने मुख्य आयुक्त के लिए एक अतिरिक्त सुरक्षा वाहन की मांग की है, जबकि वर्तमान में उनके लिए एक पुलिस सुरक्षा वाहन की व्यवस्था पहले से ही मौजूद थी। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने कहा कि उनके 10 क्षेत्रीय कार्यालय, 64 जिला चुनाव कार्यालय और 522 उप-जिला स्तरीय कार्यालय में महत्वपूर्ण दस्तावेजों और चुनाव सामग्री को सुरक्षित रखना होगा। निर्वाचन आयोग ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि आगामी संसदीय चुनाव अगले साल 12 फरवरी को होंगे।

यूक्रेन का आरोप- रूसी ड्रोन हमले में तुर्किये का नागरिक जहाज बना निशाना

कीव। यूक्रेन की नौसेना ने आरोप लगाया है कि रूस ने एक ड्रोन हमले के जरिए तुर्किये के एक नागरिक जहाज को जानबूझकर निशाना बनाया। यह जहाज सनफ्लावर ऑयल लेकर मिस्र जा रहा था। यह घटना ऐसे समय सामने आई है, जब एक दिन पहले रूस ने यूक्रेन के दो बंदरगाहों पर भी हमले किए थे। यूक्रेनी नौसेना ने टेलीग्राम पर जारी बयान में बताया कि प्रभावित जहाज का नाम 'वीवा' है, जिस पर 11 तुर्किये नागरिक सवार थे। नौसेना के अनुसार, हमले में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है और जहाज सुरक्षित रूप से अपनी यात्रा जारी रखते हुए मिस्र की ओर बढ़ रहा है। बयान में कहा गया कि यह हमला खुले समुद्र में यूक्रेन के विशेष आर्थिक क्षेत्र में किया गया, जो यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणालियों की सीमा से बाहर है। यूक्रेन ने इसे अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानूनों का उल्लंघन बताते हुए रूस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। नौसेना ने यह भी स्पष्ट किया कि वह जहाज के कप्तान के संपर्क में है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। इससे पहले, 12 दिसंबर को रूस द्वारा किए गए हमलों में यूक्रेन के दो बंदरगाहों को निशाना बनाया गया था, जिसमें तुर्किये के स्वामित्व वाले तीन जहाज क्षतिग्रस्त हो गए थे। उन हमलों के दौरान एक जहाज में भीषण आग लगने की खबर भी सामने आई थी। यूक्रेन का कहना है कि ये घटनाएं उस चेतावनी के बाद हुई हैं, जिसमें रूस ने यूक्रेन को समुद्री मार्गों से ''पूरी तरह अलग'' करने की धमकी दी थी। यह चेतावनी तब दी गई थी, जब यूक्रेन ने रूस से तेल निर्यात के लिए जा रहे तथाकथित 'शैडो फ्लीट' के तीन टैंकरों को नुकसान पहुंचाया था। काला सागर क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच इस घटना ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा और व्यापारिक जहाज़ों की सुरक्षा को लेकर नई चिंताएं खड़ी कर दी हैं।

कृतज्ञ बांग्लादेश ने शहीद बुद्धिजीवी दिवस पर सपूतों को श्रद्धांजलि दी

ढाका। कृतज्ञ बांग्लादेश आज 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान मारे गए बुद्धिजीवियों की स्मृति में हर वर्ष मनाए जाने वाले शहीद बुद्धिजीवी दिवस के मौके पर सपूतों को याद कर रहा है। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस ने सुबह करीब 7:22 बजे शहर के मीरपुर स्थित शहीद बुद्धिजीवी स्मारक पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। बीएनएस की रिपोर्ट के अनुसार, इस अवसर पर मुख्य सलाहकार ने देश के महान सपूतों की याद में गहरे सम्मान के प्रतीक के रूप में कुछ देर तक मौन धारण किया। बांग्लादेश सशस्त्र बलों की टुकड़ी ने राजकीय सलामी देने के साथ बिगुल पर अंतिम धुन बजाई। इसके बाद मुख्य सलाहकार ने मुख्य न्यायाधीश, अंतरिम सरकार के सलाहकारों, शीर्ष नागरिक और सैन्य अधिकारियों, घायल बहादुर स्वतंत्रता सेनानियों और शहीद बुद्धिजीवियों के परिवार के सदस्यों के साथ

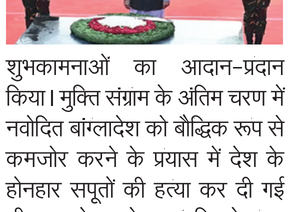

शुभकामनाओं का आदान-प्रदान किया। मुक्ति संग्राम के अंतिम चरण में नवोदित बांग्लादेश को बौद्धिक रूप से कमजोर करने के प्रयास में देश के होनहार सपूतों की हत्या कर दी गई थी। इससे पहले राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने सुबह करीब 7: 04 बजे शहीद बुद्धिजीवी स्मारक पर माल्यार्पण कर शहीद बुद्धिजीवियों को श्रद्धांजलि दी। उल्लेखनीय है कि 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान पाकिस्तान की सेना ने बुद्धिजीवियों (शिक्षकों, डॉक्टरों, पत्रकारों, लेखकों आदि) का अपहरण कर उन्हें सामूहिक रूप से मौत के घाट उतार दिया था। इसका मकसद बांग्लादेश के भविष्य के बौद्धिक और रचनात्मक क्षमता को खत्म करना था।

अमेरिका के ब्राउन विवि में परीक्षा के दौरान गोलीबारी, दो की मौत, 8 घायल

वाशिंगटन। अमेरिका के रोड आइलैंड के ब्राउन विश्व विद्यालय (यूनिवर्सिटी) में गोलीबारी में कम से कम दो लोग मारे गए और कई घायल हो गए। वारदात के समय विश्व विद्यालय में परीक्षा हो रही थी। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी करने के बाद संदिग्ध भाग गया। उसकी तलाश की जा रही है। सीबीएस न्यूज की

रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह गोलीबारी शनिवार दोपहर ब्राउन यूनिवर्सिटी में हुई। शाम को प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रोविडेंस के मेयर ब्रेट स्माइली ने कहा कि स्थानीय समय के अनुसार शाम चार बजे के कुछ देर बाद उन्हें बारस एंड हॉली इंजीनियरिंग बिल्डिंग में गोलीबारी की सूचना मिली। स्माइली ने कहा कि कम से कम दो लोग मारे गए और आठ अन्य को गंभीर हालत में रोड आइलैंड अस्पताल ले जाया गया। स्माइली ने कहा, मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। इस संबंध में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।प्रोविडेंस के उप पुलिस प्रमुख टिम ओहारा ने बताया कि मौके से कोई हथियार बरामद नहीं हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों ने संदिग्ध का सिर्फ इतना हुलिया बताया गया है कि वह काले कपड़े पहने एक आदमी था। विश्वविद्यालय की सुरक्षा सेवा विभाग ने शुरू में बताया था कि एक संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है। लेकिन बाद में उस बयान को वापस ले लिया गया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पोस्ट में लिखा कि उन्हें गोलीबारी के बारे में जानकारी दी गई। ट्रंप ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।